चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 129 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 नवंबर 2024 शनिवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

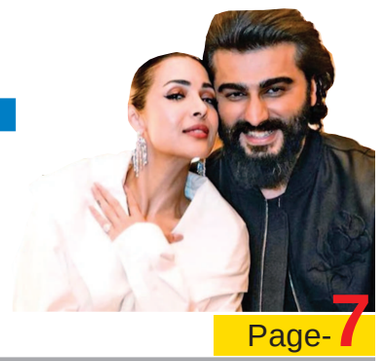

Page-7

मुख्यमंत्री ने की गोवर्धन पूजा, प्रदेशभर में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में कार्यक्रम

प्रकृति के सम्मान का उत्सव मना, मप्र को गौवंश में नंबर एक बनाया जाएगा

भोपाल.दोपहर मेट्रो

आज मप्र में आज राज्यस्तर पर गोवर्धन पूजा कार्यक्रम हो रहे हैं और जनप्रतिनिधि इसमें हिस्सा ले रहे हैं। इसका उदेश्य गौसंरक्षण व संवर्धन है। राजधानी में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गोवर्धन पूजन किया। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति के सम्मान का उत्सव है। मध्यप्रदेश में गौवंश की संख्या अच्छी है और अब हम देश में प्रथम स्थान पर आने का प्रयास करेंगे। वर्ष 2019 की पशु गणना के मुताबिक मध्य प्रदेश तीसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में गौ एंबुलेंस का संचालन भी किया जा रहा है। गोकशी के प्रकरण में पकड़े जाने पर दोषी व्यक्ति को 7 वर्ष की सजा देने का प्रावधान है। प्रदेश में गोवंश पालन पर क्रेडिट कार्ड देने की पहल भी की गई है। उन्होंने कहा कि गौशाला में प्रतिदिन 20 के स्थान पर 40 रुपए का अनुदान देने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश गोवंश संरक्षण सहित अन्य क्षेत्रों में कार्य करेगा। यादव ने कहा कि भारत अभी विश्व में पांचवी बड़े अर्थव्यवस्था है। कृषि के साथ पशुपालन से गोपालन किसान को आर्थिक समृद्धि में सहयोगी है और जल्द ही भारत तीसरे स्थान पर होगा। असके लिये मप्र भी यथासंभव सहयोग की कोशिश कर रहा है। गौ संरक्षण के भी प्रयास

किए जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री यादव ने रवींद्र भवन परिसर पहुंचते ही यहां विभिन्न गौशालाओं से लाई गई गायों का गोवर्धन पूजा के अवसर पर पर पूजन किया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण गौशाला केंद्रीय जेल और अलरिया गौशाला, नगर निगम द्वारा संचालित गौशालाओं सहित अन्य गौशालाओं की गाएं लाई गईं, जिन्हें मयूर पंख आदि से सज्जित किया गया। मुख्यमंत्री यादव ने गोवर्धन पूजा दिवस पर रविंद्र भवन परिसर में बहिरंग मंच में आयोजित गोवर्धन पर्व का दीप जलाकर शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न गौशालाओं के संचालकों का श्रेष्ठ सेवाओं के लिए सम्मान किया गौ सेवा करने वाले 10 श्रेष्ठ गोपालकों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम में स्वामी अच्युतानंद और गौ संरक्षण के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले स्वामी हरिओमानंद भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

10 हाथियों की मौत पर बवाल, सीएम ने फटकारा बांधवगढ़ दौड़े अफसर

भोपाल.दोपहर मेट्रो

- पहले चार हाथियों की मौत फिर 6 और हाथी मरे, 24 घंटे में रिपोर्ट तलब
- विशेषज्ञ बोले- यह रिजर्व प्रबंधन की नाकामी का सबसे बड़ा उदाहरण

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 हाथियों की मौत पर आखिरकार चौथे दिन सरकार ने संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक हाई लेवल बैठक बुलाई। जिसमें मुख्य सचिव अनुराग जैन भी वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों पर बात की और अधिकारियों को फटकार लगाई। यही नहीं, उन्होंने विजयपुर उप चुनाव में व्यस्त रामनिवास रावत की जगह वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार सहित दो अधिकारियों को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व जाने के निर्देश दिए और 24 घंटे में रिपोर्ट तलब की। हाथियों की मौत मामले में मुख्यमंत्री ने अब तक कि सभी रिपोर्टों को एक तरह से नकार दिया है। उन्होंने अधिकारियों द्वारा बीती रात तक मौतों को लेकर दिए तथ्यों को एक तरह से खारिज कर नए सिरे से 24 घंटे में जांच प्रतिवेदन मांगा ।बैठक में अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, एसीएस वन व वन बल प्रमुख मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, एसीएस वन अशोक बर्णवाल व वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव आज सुबह रवाना हो चुके हैं। दरअसल, असल में मप्र के इतिहास में पहली बार एक के बाद एक 10 हाथियों की जान चली गई। अब तक मामले में किसी भी अधिकारी पर कार्रवाही नहीं हुई। इसकी वजह कोदो–कुटकी की वजह फसल बताई गई है, अफसरों का कहना है कि हाथियों के खून में विषाक्तता मिली है, जो संभवतः कोदो फसल को अधिक मात्रा में खाने के कारण हुई है। वहीं विशेषज्ञों की नजर में पूरी घटना ही लापरवाही का नतीजा है, जिसमें गश्तीदल को पता ही नहीं चला कि हाथियों का मूवमेंट कहां हैं, वे किसकी फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वह फसल खाने से क्या हो सकता है। माना जाता है कि रिजर्व व आसपास के वन मंडलों का पूरा अमला त्यौहार के पहले ही अवकाश के मूड में था और जंगल की निगरानी भगवान भरोसे थी।

रिपोर्ट में विषाक्तता की पुष्टि: बीमार हाथियों के खून के सैंपल नानाजी देशमुख राज्य पशु चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर भेजे गए थे, जिसकी रिपोर्ट आई, जिसमें विषाक्तता की पुष्टि हुई है। उधर वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली द्वारा गठित जांच दल ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वनमंत्री के निर्देश पर गठित जांच दल ने अलग-अलग सैंपल उठाए, ग्रामीणों से बातचीत की। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली के सदस्य सचिव की एक टीम मौके पर पहुंची और खुद के स्तर पर जांच-पड़ताल शुरू की है।

जहर देने का एंगल भी!

फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की इन्वेस्टिगेटिव टीम हेड ल. कृष्णमूर्ति ने कहा है कि शिकार और जहर देने के पहलुओं पर जांच चल रही है। पता लगाया जा रहा है कि क्या जहर जानबूझकर दिया गया या फसलों के कीटनाशक के कारण हाथियों की जान गई। इस मामले में वन विभाग को रिसोर्ट संचालकों पर नजरें हैं और उनकी भूमिका पर भी गौर किया जा रहा है।

लॉरेंस के भाई को प्रत्यर्पित करने की प्रक्रिया शुरू हुई

मुंबई. एजेंसी।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित करने की प्रक्रिया मुंबई पुलिस ने शुरू की है। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी के मामले में अनमोल मुंबई पुलिस की वांटेड सूची में शामिल है। पुलिस के सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) से संबंधित मामलों की विशेष अदालत ने अनमोल बिश्नोई की गिरफ्तारी के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया है। अमेरिका ने बताया कि अनमोल उनके देश में मौजूद है। सचेत किए जाने के बाद मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू की।

सियासी दलों को सलाह के बदले 100 करोड़ रुपए लेता हूं : पीके

नई दिल्ली, एजेंसी।

जन सुराज के संयोजक और पूर्व में चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर ने खुद को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने कहा कि जब वह चुनावी रणनीतिकार की भूमिका में थे तो वह किसी भी पार्टी या नेता को केवल एक सलाह देने के लिए 100 करोड़ से भी ज्यादा फीस वसूलते थे। उन्होंने कहा कि दस राज्यों में उनकी बनाई सरकार चल रही है। प्रशांत ने खुद से जुड़े इस बात का खुलासा बिहार में होने वाले उप चुनाव के दौरान प्रचार प्रसार के दौरान बेलागंज में किया। 13 नवंबर को बिहार के चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, जिसमें पहली बार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी चुनावी मैदान में उतर रही है. प्रशांत ने चारों सीट पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं जिसमें बेलागंज, इमामगंज, रामगढ़ और तरारी शामिल है। वे जब बेलागंज में प्रत्याशी मोहम्मद अमजद के समर्थन में प्रचार प्रसार कर रहे थे, तभी अपने संबोधन के दौरान उन्होंने मुस्लिम समाज के लोगों से कहा कि उनसे हमेशा यह सवाल पूछा जाता है कि वह अपने अभियान के लिए पैसा कहां से लाते हैं? इसी का उन्होंने जवाब दिया और खुलासा किया कि वह किसी भी पार्टी या दल के नेता को एक सलाह देने का 100 करोड़ से भी ज्यादा फीस लेते थे।

रूस की मदद करने आए किम जोंग के सैनिक ढेर

उत्तर कोरिया ने रूस की मदद के लिए सैनिकों को तैनात किया था

कीव. एजेंसी।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में तैनात उत्तर कोरिया के एलीट सैनिकों का बुरा हाल है। यूक्रेन ने कहा है कि उसने उत्तर कोरिया के 40 सैनिकों को मार दिया है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब कुछ दिनों पहले ही उत्तर कोरिया ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिकों को तैनात किया था। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन और पुतिन के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। रूस के कुर्स्क क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर इस समय यूक्रेन का कब्जा है। इस कारण लगातार रूस के सैनिकों की मौत हो रही है। इसीलिए किम जोंग ने अपने सैनिक भेजे थे। रिपोर्ट के मुताबिक गंभीर रूप से घायल बचे एक उत्तर

कोरियाई सैनिक ने कहा कि रूसियों ने हमें हमला करने के लिए दौड़ाया, लेकिन यूक्रेनियों ने हम पर आर्टिलरी और ड्रोन से हमला किया। यूक्रेन के हमले पर उसने कहा, 'हम 40 थे, लेकिन सब मारे गए।' उसने कहा, 'मैं अब यहां बिल्कुल अकेला हूं, मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा है।'

पटाखों की चिंगारी से घर जला, तीन की मौत

हावड़ा. एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में काली पूजा के समय पटाखे फोड़ते समय एक घर में आग लग गई। आग में तीन बच्चे झुलस गए। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। वहीं, बच्चों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना उलुबेरिया में उस समय हुई, जब कुछ बच्चे पटाखे फोड़ रहे थे और चिंगारी पास में रखे कुछ पटाखों पर गिर गई, जिससे देखते ही देखते एक घर में आग लग गई और तीन बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। हावड़ा डिविजनल फायर ऑफिसर के अनुसार, 9, 4 और 2.5 साल के बच्चों के जले हुए शव बरामद किए गए हैं।

राहुल की मजदूरों से बात, रेहान आए साथ

नईदिल्ली. एजेंसी।

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक्स पर एक वीडियो चर्चा में है। वीडियो में राहुल गांधी 10 जनपथ आवास पर रंगाई-पुताई करने वाले मजदूरों से बात करते हुए उनके ब्रश पर भी हाथ आजमाते हुए नजर आए। मगर खास बात यह रही कि इस दौरान उनके साथ उनके भांजे रेहान वाड्रा भी नजर आए। राहुल ने लिखा एक दिवाली उनके साथ, जिनकी मेहनत से रौशन है भारत ! इस कैप्शन के साथ अपलोड किए इस वीडियो को देखकर इस बात की कयासबाजी तेज हो गई है कि प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा भी जल्द ही राजनीतिक मंच पर दिख सकते हैं।

मेट्रो एंकर अडानी पावर लिमिटेड ने बिजली सप्लाई आधी करके दी चेतावनी

अब बांग्लादेश की बत्ती गुल करने की तैयारी में अडानी, करोड़ों रुपए का बिल अभी बाकी

टाका. एजेंसी

अब पड़ोसी बांग्लादेश की बत्ती गुल होने के आसार बन रहे हैं क्योंकि वह बिजली का बिल अदा करने में आनाकानी कर रहा है। फिलहाल तो भारतीय उद्योगपति अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर झारखंड लिमिटेड ने बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई आधी करके चेतावनी जारी कर दी है। सप्लाई रोकने का कारण बिजली के बकाया बिलों का पेमेंट नहीं होना ही है।

कहा जा रहा है कि यदि मसला हल नहीं हुआ तो हो सकता है कि आने वाले दिनों में बांग्लादेश में अंधेरा छा जाएगा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अडानी पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडानी पावर झारखंड लिमिटेड ने बांग्लादेश को अपनी आधी बिजली की सप्लाई रोकी है। कंपनी का उसके ऊपर 846 मिलियन डॉलर का बकाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पावर ग्रिड बांग्लादेश पीएलसी के आंकड़ों से पता चला है कि अडानी प्लांट ने बीती रात से बांग्लादेश की बिजली आपूर्ति कम कर दी है। अखबार ने बताया कि बांग्लादेश ने गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात को 1,600 मेगावाट से अधिक की कमी की सूचना दी, क्योंकि 1,496 मेगावाट का प्लांट अब एक यूनिट से 700 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रहा है। इससे पहले अडानी कंपनी ने ऊर्जा सचिव को पत्र लिखकर बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड से 30 अक्टूबर तक बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था। 27 अक्टूबर को लिखे पत्र में कहा गया था कि यदि बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो कंपनी 31 अक्टूबर को बिजली आपूर्ति बंद कर पावर परचेज एग्रीमेंट के तहत सुधारात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होगी। कंपनी ने कहा कि पीडीबी ने न तो बांग्लादेश कृषि बैंक से 170.03 मिलियन अमरीकी डालर की राशि के लिए लेटर ऑफ क्रेडिट उपलब्ध कराया है और न ही 846 मिलियन अमरीकी डालर की बकाया राशि का भुगतान किया है।

अडानी भेज रहे ज्यादा बिल

अखबार ने पीडीबी के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि उन्होंने पहले पिछले बकाए का एक हिस्सा चुका दिया था, लेकिन जुलाई से अडानी पिछले महीनों की तुलना में अधिक पैसे ले रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीबी करीब 18 मिलियन अमरीकी डालर का साप्ताहिक भुगतान कर रहा है, जबकि शुल्क 22 मिलियन डालर से अधिक है। उन्होंने कहा, इसी कारण से बकाया भुगतान फिर से बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद जब से नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला है, तभी से अडानी बकाया भुगतान करने का दबाव बना रहे हैं। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने भी मुख्य सलाहकार यूनुस को इस बारे में पत्र लिखा था।

अपनों को किया याद....

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ऑल सोल्स डे पर लालघाटी स्थित कब्रिस्तान में अपनी परिजनों को याद करते हुए क्रिश्चियन समाज के लोग। **– फोटो निर्मल व्यास**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में कहा

68 साल में पहली बार आया पुनर्गठन आयोग, लोगों को होगी सहूलियत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग को लाने के कदम को मप्र के विकास के लिए एतिहासिक बताया। कहा भी कहा कि 68 साल में पहली बार संभाग, जिला, तहसील,विकासखंड समेत नगरीय निकायों की सीमाओं का नए सिरे से निर्धारण करने के लिए कोई कदम उठाया गया। आयोग की अनुशंसा के बाद सीमाओं में जो बदलाव किए जाएंगे, वह आम लोगों के जीवन में बदलाव लाने वाले होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को यह बात रवींद्र भवन में आयोजित मप्र स्थापना दिवस कार्यक्रम में कही।

बाधक नहीं है जन-कल्याण में राज्यों की सीमाएं: मुख्यमंत्री ने कहा है कि आम नागरिकों के कल्याण में राज्यों की सीमा बाधक नहीं है। ऐसा होना भी नहीं चाहिए। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के लिए समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मप्र व राजस्थान के बीच 20 वर्ष से पार्वती चंबल कालीसिंध परियोजना लंबित थी लेकिन अब स्वीकृति हो गई है। केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड में सिंचाई और पानी की सुविधा व्यापक स्तर पर नागरिकों और किसानों को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता नहीं है। केंद्र व मप्र के बीच तालमेल का विषय है या पड़ोसी राज्यों से आपसी समन्वय की बात, हर क्षेत्र में मप्र तेजी से काम कर रहा है। मप्र व राजस्थान के बीच 20 वर्षों से लंबित पार्वती चंबल कालीसिंध परियोजना की स्वीकृति इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। मप्र खुद की चिंता तो कर ही रहा है, बल्कि उसके कामों से पड़ोसी राज्यों के भी जनकल्याण जुड़ रहे है। हर क्षेत्र में विकास को रहा है। यह मप्र का स्वर्णिम काल है, विकास के इंजन की गति और तेज होगी। 69वां स्थापना दिवस मना रहा मप्र, आने वाले चार वर्षों में कई इतिहास रचेगा।

स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या जल्द ही 40 हो जाएगी। सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में मंदसोर, नीमच व सिवनी में तीन नए मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण किया है। कॉलेजों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य सुविधाएं भी बढ़ेंगी, लोगों को आसानी से इलाज मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 तक 5 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या वर्तमान में 20 हो गई है। आने वाले 2 वर्ष में मेडिकल कॉलेज की संख्या 28 हो जाएंगी। पीपीपी मॉडल पर काम कर रहे हैं, जल्द ही इनकी संख्या 40 हो जाएगी।

लेटलतीफी का शिकार हुई संबल योजना, दो लाख विद्यार्थियों को देना पड़ी फीस

अंतिम तारीख के कुछ दिन पहले फीस में छूट का आप्शन दिया, कुछ बच्चे ही भर पाए फार्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के करीब दो लाख विद्यार्थी इस बार संबल योजना का लाभ नहीं ले पाए हैं। संबल योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को मप्र बोर्ड 10वीं-12वीं बोर्ड के परीक्षा शुल्क से छूट मिलती थी, लेकिन इस बार माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं) ने इस छूट का कोई विकल्प नहीं दिया। जिसके कारण अधिकतर विद्यार्थियों को निर्धारित शुल्क के साथ परीक्षा फार्म भरना पड़ा है। हालांकि मामला सामने आने के बाद फीस में छूट का ऑप्शन फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख के कुछ दिन पहले 25 सितंबर को खोला गया। ऐसे में कुछ ही फायदा ले पाए।

अब विद्यार्थी विलंब शुल्क दो हजार रुपए के लिए 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि कई स्कूल में संबल योजना के तहत आने वाले विद्यार्थी सभी ने फीस के साथ आवेदन जमा किया। शिक्षकों के सामने अब दिक्कत आ रही है। अभिभावक सवाल उठा रहे हैं। मामले में मंडल से कोई जवाब नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश से करीब 18 लाख विद्यार्थी 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। एक विद्यार्थी का परीक्षा शुल्क 1250 रुपये लिए जाते हैं। इस तरह से करीब दो लाख विद्यार्थियों की फीस 25 करोड़ रुपये होगी।

जुलाई से शुरू हुई थी आवेदन प्रक्रिया

पिछले साल जब आवेदन किए जा रहे थे, तभी शुल्क में छूट का विकल्प दिया गया था। इस बार आवेदन करने की प्रक्रिया एक जुलाई से शुरू हुई थी। अभी तक 30 सितंबर सामान्य शुल्क के साथ अंतिम तिथि समाप्त हुई । 25 अक्टूबर को विलंब शुल्क 100 रुपये के साथ फार्म भरने की अंतिम तिथि थी। ऐसे विद्यार्थियों को भी पूरा शुल्क भरना पड़ा है। विभाग अभी तक शुल्क वापस करने की भी कोई व्यस्था नहीं बना पाया है। इन विद्यार्थियों से परीक्षा शुल्क के रूप में करीब 25 करोड़ की रकम माशिमं के खाते में पहुंची है।

मेट्रो: मैदा मिल से एमपी नगर के लिए रोड तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो स्टेशनों के नीचे प्रस्तावित सड़कों का निर्माण होने लगा है। रेलवे स्टेशन बनाने के लिए रोड के एक हिस्से पर की गई खुदाई व बंद किए रास्तों को अब खोला जा रहा है। प्रगति पेट्रोल पंप के पास मेट्रो स्टेशन के नीचे की सड़क को तीन फीट तक गहराई में खोदा गया था। तब यह भी दावा हुआ था कि रोड पर चल रहे बड़े भारी वाहन मेट्रो स्टेशन की छत तक टकराएंगे। हालांकि अब वही रोड उसी स्थिति में बनाई जा रही है और किसी तरह की टकराहट नहीं है। लंबे समय से बंद मैदा मिल मेट्रो स्टेशन के नीचे की रोड का काम तो पूरा हो गया है। अब यहां स्टेशन से दोनों तरफ ट्रैफिक गुजरने लगा है। इससे मैदा मिल से एमपी नगर और सुभाष ब्रिज की ओर आवाजाही में राहत मिल गई है। आने वाले दिनों में मेट्रों का कार्य और भी तेज गति से होगा, ऐसा अनुमान अधिकारियों ने लगाया है।

भोपाल में एक्यूआइ 300 से ऊपर, विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में दिवाली धूमधाम से मनाई गई। जहरीले रसायनों की बजाय ग्रीन पटाखे चलाने के निर्देश थे। जागरूकता अभियान भी चले, पर सब बेअसर रहा। हमने खुद ही अपने शहरों की हवा में जहर घोल दिया। नतीजा दिवाली की रात अधिकांश शहरों की आबोहवा गंभीर स्थिति में पहुंच गई। औद्योगिक क्षेत्रों में जहां हवा साफ हो गई, वहीं रहवासी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा प्रदूषित हो गई। भोपाल का एक्यूआइ 300 से ऊपर रहा। एक्यूआइ का 200 से अधिक होना हानिकारक माना जाता है। इन शहरों में हवा को प्रदूषित करने वाला प्रमुख तत्व पीएम-2.5 पाए गए। अभी प्रदूषण का असर 24 घंटे और रहेगा। सांस की बीमारी के साथ अन्य मरीजों को विशेष सावधानी रखनी होगी। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) की विभिन्न शहरों की मॉनिटरिंग में 30 और 31 अक्टूबर की आबोहवा में बड़ा अंतर आया। दिवाली पर चले पटाखों से पीएम 2.5 बढ़ा। एमपीपीसीबी की लाइव मॉनिटरिंग में गुरुवार शाम 5 से शुक्रवार शाम 5 बजे तक भोपाल के पर्यावरण परिसर में एक्यूआइ 302 पाया गया। इस बार दिवाली पर ध्वनि प्रदूषण पिछले बरसों की तुलना कम रहा। हालांकि वायु प्रदूषण बढ़ा।

मेट्रो एंकर संतनगर के बाजार में बंद रहीं आधी दुकानें, सराफा दुकानें दीया बाती के लिए शाम के वक्त खुलीं

दीपावली ग्राहकी के बाद बाजार में सन्नाटा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

दीपावली की कारोबारी व्यस्तताओं के बाद शुक्रवार को पर्व के दूसरे दिन बाजार में सन्नाटा रहा। कपड़ा बर्तन की आधी दुकानें बंद रहीं। सराफा कारोबारियों ने शाम पांच बजे बाद दीया के लिए दुकानें खोलीं। शनिवार को साप्ताहिक अवकाश से व्यापारियों के लिए दो दिन आराम के रहे। बैरागढ़ में चहल-पहल न के बराबर रही। व्यापारियों एक-दूसरे के घर जाकर दीवाली की बधाई दी एवं परिवार के साथ समय बितायी। शादी ब्याह और दीपावली की ग्राहकी के चलते एक पखवाड़े से व्यापारी सुबह से मंगल करने तक व्यस्त रहता था। यहां थोक-फुटकर, कपड़ा, बर्तन और सराफा बाजार में रौनक रहती थी, जो पर्व के बाद गायब हो गई।

मिनी मार्केट, मुख्य मार्ग की आधे से अधिक दुकानें बंद रहीं। व्यापारियों ने परिवार के साथ दिन बिताया। कारोबारियों ने एक-दूसरे के परिवारों में जाकर उपहार और बधाइयां दीं। सराफा कारोबारियों ने तो शाम बजे बाद केवल दीया बाती के लिए दुकानें खोलीं। शनिवार को बाजार में साप्ताहिक अवकाश रहेगा। थोक कपड़ा व्यापारियों का कहना

था, अभी नवंबर में शादी ब्याह होने से व्यस्तता रहेगी, लेकिन दीपावली बाद शुक्रवार और शनिवार कुछ आराम का मौका मिल गया है। दीपावली तक तो सुबह से शाम तक ग्राहकी होने से कई बार तो खाने के लिए समय निकालना पड़ता था। स्टॉफ भी जो व्यस्तता उसे भी आराम मिल गया है।

दीपावली पर सिंधी घरों में लक्ष्मीजी के साथ हटिया पूजन

वंश वृद्धि की कामना के लिए सिंध की है परंपरा

हिरदाराम नगर. सिंधी समाज दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के साथ हटिया पूजन होता है। परिवार में पुरुषों की संख्या के मान से हटिया (मिट्टी से बना बर्तन) रख कर पूजा अर्चना की जाती है। हालांकि यह परंपरा समय के साथ टूटी है, लेकिन कुछ परिवारों में आज भी हटिया पूजन होता है। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने बताया कि हटिया पूजन की परंपरा समय के साथ लोग इसे भूलते जा रहे हैं। लेकिन जहां सिंधी समाज के लोग बहुतायत में रहते हैं। वहां आज भी हटिया पूजन होता है। हटिया की संख्या दीपावली पर हटिया पूजन में हटिया की संख्या वंश वृद्धि के साथ बढ़ती जाती है। परिवार के हर पुरुष वर्ग के नाम ही एक हटिया पूजन में रखी जाती है। यह लक्ष्मी माता से व्यवसाय वृद्धि की कामना का प्रतीक है।

क्या है हटिया... हट प्रतीकात्मक रूप में चौकोर या कटोरानुमा मिट्टी का पात्र बनाया जाता है। इसे सुन्दर रूप से सजाया जाता है। लक्ष्मी माता के हाथ से सोने के सिक्के गिर रहे हैं। यह सिक्के इसी हट में गिरे, परिवार का व्यवसाय बड़े, इसी कामना के साथ पूजन किया जाता है।

प्रकृति के सम्मान का उत्सव

गौ-संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मध्यप्रदेश की अभिनव पहल

प्रदेशभर की गौ-शालाओं में
गोवर्धन पर्व का सामुदायिक आयोजन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
गोवर्धन पूजन

2 नवंबर, 2024 | प्रात: 10:00 बजे
रवींद्र भवन, भोपाल

प्रगति और पर्यावरण के प्रति सजगता की मिसाल बनता मध्यप्रदेश

#गोवर्धन_पूजा_MP

- प्रदेश में संचालित 1,500 से अधिक गौ-शालाओं में 3.30 लाख गौ-वंश का पालन। शीघ्र ही लगभग 2,500 नई गौ-शालाएं प्रारंभ होंगी जिनमें 4.50 लाख गौ-वंश का पालन हो सकेगा।
- गौ-वंश के बेहतर आहार हेतु प्रति गौ-वंश 20 रुपये की राशि बढ़ाकर 40 रुपये की जा रही है।
- दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच एमओयू। आगामी 5 वर्ष में लगभग 12,000 दुग्ध समितियां 25 लाख लीटर दूध एकत्रित करेंगी।
- देश में सर्वाधिक 15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती करने वाले मध्यप्रदेश में गौ-वंश को प्रोत्साहन देने की पहल से जैविक खेती उत्पादन बढ़ेगा।
- दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर ब्लॉक में एक 'वृंदावन ग्राम' बनेगा।
- गौ-शालाओं का बजट 150 रुपये से बढ़ाकर 250 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष एवं मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना में 195 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- ग्वालियर स्थित आदर्श गौ-शाला में देश के पहले 100 टन क्षमता वाले CNG प्लांट की स्थापना।

D-11096/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2024

संपादकीय

साइबर संजाल में सुरक्षित सफर

हा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में आधुनिक तकनीकी सुविधाओं के दुरूपयोग की बात छेडकर व इससे सावधान रहने की सलाह देकर हर व्यक्ति का धयान इस तरह की लूट पर दिलाया है। दरअसल तकनीकी विस्तार के साथ इससे जुड़े जटिल खतरे अब लोगों के लिए परेशानी का सबब हैं। ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें किसी व्यक्ति को वीडियो काल करके उसे बातों के जाल में फंसाया गया, उसके या उसके बच्चों के किसी अपराध में शामिल होने की बात करके डराया गया, घर के एक कमरे में बंद रहने और फिर एक बड़ी रकम भेजने पर मजबूर किया गया। इसे आजकल 'डिजिटल अरेस्ट' कहा जा रहा है। इस जाल में लोगों के फंसने के कई मामले सामने आ चुके हैं। आम जिंदगी में तकनीक के लगातार बढ़ते दखल और उस पर निर्भरता के समांतर निश्चित तौर पर यह व्यापक चिंता का विषय है और इसके बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने से लेकर इससे निपटने के लिए ठोस उपाय निकालने की जरूरत है। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में इंटरनेट के सहारे 'डिजिटल अरेस्ट' या अन्य तरीकों से चल रही ठगी को लेकर आम जनता को यह संदेश दिया कि वे इस संजाल में न फंसें। यह जगजाहिर तथ्य है कि अक्सर लोगों के पास इस तरह के फोन आते रहते हैं, जिनमें पुलिस अधिकारी के वेश में कोई व्यक्ति वीडियो काल करके खुद को किसी महकमे या संस्थान का अधिकारी बता कर किसी से जुर्माना या फिर पैसा चुकाने को कहता है। फोन पर ऐसे आधार या संदर्भ बताए जाते हैं कि कई लोग डर कर बातों के जाल में फंस जाते हैं और मांगी गई रकम बैंक खाते के जरिए भेज देते हैं। जबकि हकीकत यह है कि कोई भी सरकारी एजंसी किसी व्यक्ति को फोन पर वीडियो या आडियो के जरिए बात करके न तो किसी संबंध में पूछताछ करती है और न ही पैसों की मांग करती है। मगर इस सामान्य जानकारी से अनजान कई लोग फोन पर ठगी करने वालों की बातें मान लेते हैं। बाद में जब उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चलता है, तब तक उनके साथ बहुत कुछ गड़बड़ हो चुका होता है। जाहिर है, इंटरनेट के इस्तेमाल से संबंधित जागरूकता और प्रशिक्षण के अभाव या फिर साइबर अपराधों की दुनिया से अनजान लोग ऐसी ठगी में फंस कर कई बार बड़ा नुकसान उठाते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री की सलाह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि 'डिजिटल अरेस्ट' सहित साइबर ठगी के अन्य संदर्भों में उन्होंने लोगों को सावधान रहने की जो सलाह दी, उसकी पहुंच का दायरा बहुत बड़ा है। निश्चित तौर पर बहुत सारे लोगों को इससे इंटरनेट के अलग-अलग मंचों का उपयोग करते समय सतर्क रहने में मदद मिलेगी। मगर आधुनिक तकनीकी के फैलते पांव के साथ जैसे-जैसे डिजिटल माध्यमों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है, खुद सरकार भी ज्यादातर शासकीय सेवाएं डिजिटल तंत्र के जरिए लोगों तक पहुंचाने पर जोर दे रही है, वहीं ठगी या अन्य खतरों के चलते कई लोग अभी भी ऐसे हैं जो आनलाइन बैंकिंग व लेनदेन से बहुत परहेज करते हैं। तो ऐसे में इस माध्यम के उपयोग सबके लिए हर तरह से जितना सुरक्षित और सहज बनाया जाएगा,उतना ही कारगर होगा।

पैसा आता है और चला जाता है, इसलिए युवा है। जीवन जाता है और आत्मा जाती है, कु भी हमेशा के लिए नहीं रहता। केवल एक चीज जो दृढ़ रहती है वह है आपका विश्वास।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1755: पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भूकंप से 50 हजार से अधिक लोगों की मौत।
- 1765: ब्रिटेन के उपनिवेशों में स्टैम्प एक्ट लागू।
- 1800: जॉन एडम्स व्हाइट हाउस में रहने वाले अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने।
- 1858: भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटेन के शासक के पास चला गया। इसी के साथ गवर्नर जनरल की जगह वायसराय की नियुक्ति की जाने लगी।
- 1881: कलकत्ता (कोलकाता) में ट्राम सेवा स्यालदाह और अर्मेनिया घाट के बीच शुरू हुई।
- 1913: स्वतंत्रता सेनानी तारकनाथ दास ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को शहर में गदर आंदोलन की शुरुआत की।
- 1922: ओटोमन साम्राज्य का अंत।
- 1944: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन की सेना नीदरलैंड के वालचेरेन पहुंची।
- 1946: पश्चिम जर्मनी के राज्य निदरसचसेन का गठन।
- 1950: भारत में पहला भाप इंजन चितरंजन रेल कारखाने में बनाया गया।
- 1952: जय नारायण ने राजस्थान के मुख्यमंत्री पद को ग्रहण किया।
- 1954: फ्रांसीसी क्षेत्र पांडिचेरी, करिकल, माहे और यानोन भारत सरकार को सौंपे गए।
- 1956: कर्नाटक राज्य की स्थापना।
- 1956: भाषा के आधार पर मध्य प्रदेश राज्य का गठन।
- 1956: राजधानी दिल्ली केंद्रशासित राज्य बना।
- 1956: बेजवाड़ा गोपाल रेड्डी की आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटाया गया। नीलम संजीव रेड्डी ने संभाली बागडोर।
- 1956: केरल राज्य की स्थापना।
- 1956: आंध्र प्रदेश राज्य की स्थापना।
- 1956: हैदराबाद राज्य प्रशासनिक रूप से समाप्त।
- 1956: एस. निजलिंगप्पा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने।
- 1956: पंडित रविशंकर शुक्ल मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।
- 1958: तत्कालीन सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1966: हरियाणा राज्य की स्थापना।
- 1966: चंडीगढ़ राज्य की स्थापना।
- 1972: कांगड़ा जिले के तीन जिले कांगड़ा, ऊना और हमीरपुर बनाए गए।
- 1973: मैसूर का नाम बदलकर कर्नाटक किया गया।
- 1974: संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी भूमध्यसागरीय देश सायप्रस की स्वतंत्रता को मान्यता दी।
- 1979: बोलिविया में सत्ता पर सेना का कब्जा।

निशाना

मैदान दिया उतार !

-कृष्णेन्द्र राय

है सियासी मायने ।
मैदान दिया उतार ।।
चढ़ा राजनीतक पारा ।
और कई कतार ।।
लाभ लेने खातिर ।
जोर है लगाया ।।
कर देना वो चुकता ।
जो है अभी बकाया ।।
गुणा गणित करके ।
कर लिया तैयार ।।
टिक जाएंगे लंबा ?
या होंगे फरार ।।
उठापटक तो चल रही ।
मौके की तलाश ।।
होड़ न होगी खत्म ।
बने रहना खास ।।

दलबदल की राजनीति को खारिज करने का वक्त

■ विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र में चुनाव-प्रचार अब ज़ोरों पर है। अपनी-अपनी जीत का दावा तो सब कर रहे हैं, पर मतदाता जितायेगा किसे, यह अभी भविष्य के गर्भ में ही है। चुनाव परिणाम को लेकर दावे और प्रतिदावे तो अब भी हो रहे हैं, पर 'चुनावों के पंडित' कहलाने वाले चुनाव परिणाम के बारे में इस बार कुछ ठोस कहने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं। कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस, ये चार दल मुख्यतः हुआ करते थे पहले मैदान में, इस बार इन दलों की संख्या छह है- शिवसेना और राष्ट्रवादी दोनों इस बार बंटे हुए हैं। अब मैदान में दो शिवसेना हैं और दो राष्ट्रवादी। यह स्थिति बड़ा कारण है चुनाव परिणाम को लेकर फैल रहे असमंजस का। सवाल सिर्फ पार्टियों के बंटने का नहीं है, व्यक्तियों का बंटना ज़्यादा घाल-मेल करने वाला है।

यूं तो हर दल यह दावा करता है कि उसके पास अपनी नीतियां हैं, अपनी विचारधारा है, 'जनता की सेवा' करने का अपना तरीका है, पर देश में चुनाव-दर-चुनाव यह बात लगातार स्पष्ट होती रही है कि हमारे राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता के लिए राजनीति करना ही रह गया है। नीतियों और सिद्धांतों की बात तो सब करते हैं पर निगाह सबकी 'कुर्सी' पर ही टिकी रहती है। सत्ता पाने के लिए हमारे राजनेता कुछ भी करने-कहने के लिए तैयार दिखते हैं।

वैसे सिद्धांतों की राजनीति का नकार कोई नयी बात नहीं है। दशकों पहले हरियाणा में 'आया राम, गया राम' की राजनीति शुरू हुई थी। एक तरह की राजनीतिक अराजकता-सी फैलती गयी उसके बाद। ऐसा नहीं है कि इस दल बदलू राजनीति के खतरों से देश अनभिज्ञ था। कोशिशें भी हुई इस स्थिति से उबरने की। राजनीति में नैतिकता के स्थान को लेकर विमर्श भी होते रहे, कानून भी बने, पर सत्ता की दौड़ में राजनीतिक शुचिता के लिए स्थान लगातार कम होता गया। युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज़ है की तर्ज पर राजनीति में भी सब कुछ जायज़ मान लिया गया है। इसी का परिणाम है कि आज की राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा। चुनावों के दौरान, और चुनावों के लिए मची आपाधापी में हम इस पतन के उदाहरण लगातार देख रहे हैं। यह अपने आप में कम पीड़ा की बात नहीं है, पर मतदाता की असहायता देख कर पीड़ा और बढ़ जाती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के मतदाता ने समय-समय पर अपनी जागरूकता और ताकत का परिचय और परिणाम भी दिया है। आपातकाल घोषित करने वाली सरकार को देश के मतदाता ने जिस तरह से नकारा था, वह उसकी ताकत का प्रमाण है, उसकी जागरूकता का स्पष्ट उदाहरण है। राज्यों के चुनाव में भी ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं। लेकिन, भ्रष्ट, दलबदलू सिद्धांतहीन राजनीति को नकारने का जो परिणाम होना चाहिए, वह अक्सर नहीं दिखाई देता। यह पीड़ा की बात है, और चिंता की भी। यह चिंता राजनेता नहीं करेंगे। उनका स्वार्थ इस स्थिति के बने रहने में है। स्थिति को बदलने की आवश्यकता तो मतदाता को है। वह इस आवश्यकता को समझते हुए भी अक्सर न समझने की मुद्रा अपना लेता है।

टिकटों के बंटवारे को लेकर आज महाराष्ट्र में जिस तरह की स्थिति दिखी है, वह अपने आप में कोई नयी स्थिति नहीं है। बहुत देखा है इस स्थिति को मतदाता ने। देखा ही नहीं, सहा है, कहा जाना चाहिए। पर क्यों सहे मतदाता इस स्थिति को?

बड़ी बेशर्मी के साथ हमारे राजनेता अपना पाला बदल लेते हैं। शरद पवार ने टिकट नहीं दिया तो अजित पवार के पाले में चले जाएंगे; उद्धव ठाकरे की पार्टी से चुनाव लड़ने का टिकट नहीं मिला तो शिंदे की पार्टी दे देगी; भाजपा के नेतृत्व ने किसी की उम्मीदवारी का दावा स्वीकार नहीं किया तो कांग्रेस का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। किसी को कांग्रेस नकारती है तो भाजपा बाहें फैला कर उसका स्वागत कर लेगी। महाराष्ट्र का यह सच देश के बाकी राज्यों का सच भी है। इस सच का निहितार्थ सत्ता के लालच के संदर्भ में ही समझा जा सकता है।

सत्ता के लिए कुछ भी किया जा सकता है, किया जा रहा है। लेकिन सत्ता के लिए विचारधारा की जिस तरह आज बलि दी जा रही है, वह जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की धज्जियां उड़ाना ही है। आज़ादी प्राप्त करने के कुछ अर्सा बाद तक स्थिति ऐसी या इतनी बुरी नहीं थी। हमारे पास ऐसे नेता थे जो नीतियों और मूल्यों की राजनीति में विश्वास करते थे। तब एक सीमा तक हमारी राजनीति तीन हिस्सों में बंटी हुई थी- वामपंथी, दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी। तब हमारा मतदाता इतना शिक्षित नहीं था, जितना आज है। पर राजनीति के इस विभाजन को वह समझता था। तब हमारे नेताओं को अपनी छवि की, शायद, ज़्यादा चिंता थी। आज स्थिति बदल गयी है। नेता भले ही यह कहता रहे कि 'यह पब्लिक है सब जानती है' पर मानता वह यही है कि पब्लिक को बरगलाया जा सकता है। इसीलिए जब चाहे कोई 'आयाराम गयाराम' बन जाता है और सब जानने का दावा करने वाली पब्लिक यह खेल देखकर हंसती रह जाती है। पर बात हंसने की नहीं है। पीड़ा देने वाली बात है यह। मतदाता का कर्तव्य है कि वह आयाराम गयाराम की राजनीति में विश्वास करने वाले प्रत्याशियों से पूछे कि उनके आचरण को अस्वीकार क्यों न किया जाये? क्यों न पूछा जाये कि वह मतदाता को इतना कमज़ोर क्यों समझते हैं कि कुछ भी करना-कहना अपना अधिकार मान लेते हैं? और यह सवाल मतदाता को अपने आप से भी पूछना चाहिए कि वह अक्सर नेताओं के हाथ का खिलौना क्यों बन जाता है?

एक बात जो और उभर कर सामने आयी है, वह अपनी संतानों को नेताओं द्वारा राजनीतिक उत्तराधिकार देने की है। यह सिर्फ महाराष्ट्र का सच नहीं है कि अधिकतर बड़े नेता अपनी संतानों को राजनीति में 'फिट' करना चाह रहे हैं। यहां भी वे इस बात की कोई परवाह नहीं करते कि उनके इस कार्य को अनैतिक माना जायेगा। राजनीतिज्ञ की संतान का राजनीति में आना कतई ग़लत नहीं है। ग़लत तो यह है कि राजनेता अपनी गद्दी को विरासत में देना अपना अधिकार समझने लगे हैं। और नेता-संतानें भी पिता की गद्दी पर अपना अधिकार समझती हैं। नेताओं और उनकी संतानों का यह कथित अधिकार अनैतिक है। जनतंत्र हर एक को अपनी योग्यता-क्षमता प्रमाणित करने का अवसर देता है। पर यह क्षमता-योग्यता विरासत में नहीं मिलती। यह बात हमारे राजनेताओं और मतदाताओं, दोनों को प्रमाणित करनी होती है। रातो-रात पाला बदलना जहां एक ओर व्यक्ति की सत्ता-लोलुपता को उजागर करता है वहीं सिद्धांतहीन राजनीति उस खतरे का भी संकेत देती है जो जनतांत्रिक व्यवस्था और सोच के सामने आ खड़ा हुआ है। इस खतरे का अहसास और मुकाबला, राजनेताओं को नहीं, जनता को करना है। जनता यानी मैं और आप। हमें अपने आप से पूछना होगा कि क्या हम इस मुकाबले के लिए तैयार हैं?

- साभार (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कांग्रेस : कालक्रम, परिस्थिति और वर्तमान परिदृश्य

■ भूपेन्द्र गुप्ता

आजादी के आंदोलन से निकलकर और आजादी के बाद कांग्रेस ने कई दौर देखे हैं ।देश,काल और परिस्थितियों ने कांग्रेस को कई रूपों में ढाला है ।कभी धारा विकराल भी हुई तो कभी सिकुड़ भी गई किंतु धारा के अवरोधों को पहचान कर बाधाएं दूर करने की प्रक्रिया शिथिल पड़ती गई। कोई भी राजनीतिक संगठन एक नैतिक शक्ति के आसपास एकत्रित होता है उसे सिद्धांत एवं व्यक्तित्व के दो रूपों में पिरोकर संगठन का स्वरूप देते हैं।कांग्रेस के प्रति निष्ठा और कृतज्ञ भाव में कमी होने के कारणों की पड़ताल स्वयं कांग्रेस को ही करनी पड़ेगी ।इसमें जरा सी भी देरी उन लोगों को खुला मैदान दे सकती है जो एकाधिकारवाद में विश्वास करते हैं ।

सन 80-85 तक जब तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जीवित थे तब तक कांग्रेस के पास हर जिला , तहसील, ब्लॉक, गांव में प्रतिबद्ध कार्यकर्ता मौजूद थे जिन्हें उनकी विचारधारा से भटकाना मुश्किल था समय-समय पर उनकी राय ली जाती थी जो टिकिट वितरण में भी दिखाई पड़ती थी। यही कांग्रेस की ताकत थी ।आज प्रतिवद्ध कार्यकर्ता यह बैंक सिकुड़ गया है ।उनकी जगह वे लोग शामिल होते जा रहे हैं जो पार्टी में अपने करियर को बनाने के लिए प्रवेश कर रहे हैं ।कई कार्यकर्ता तो किसी भी दल में इसलिए प्रवेश करते हैं कि वहां अपनी पहचान बनाकर वे अन्य दलों लाभ के लिये प्रवेश कर सकें। इसी कारण राजनीति में विचार प्रतिबद्धता को बदलना एक तरह नौकरी बदलने जैसा हो गया है।उसमें संकोच या झिझक समाप्त हो गई है।

आवागमन एक आम बात हो गयी है कुछ दलों ने इस आवागमन को पुरुस्कृत कर सही-गलत नैतिक-अनैतिक का भेद ही खतम कर दिया है।इससे सामाजिकता सामुदायिकता और राष्ट्रीयता की भावना का नुकसान हो रहा है।

भारत देश का इतिहास जनपदीय राजनीति का इतिहास रहा है।छोटी-छोटी जनपदें ही छोटा सा देश थीं।जियना छोटा देश उतनी ही सीमित उसकी शक्ति थी। राज्य के संसाधन राजा का ही पेट नहीं भर पाते थे तो जनकल्याण या सामुदायिक विकास की अवधारणा कहां से आती?

मध्यप्रदेश के छतरपुर,टीकमगढ़,पन्ना और उत्तरप्रदेश का झांसी इन चार जिलों में ही 27 स्टेट थीं।अंदाजा लगाईये राज्य के संसाधन कितने सीमित रहे होंगे और राजा कितना कुपोषित? सैकड़ों कुपोषित राज्यों के अहंकार और समझौतों ने ही भारत के गुलामी की परिस्थितियां पैदा की होंगीं जिसे हम फूट भी कहते हैं किंतु उसे शक्तिहीनता मानना ज्यादा उचित होगा। फूट तो महिमामंडन है।वह जिम्मेवारी को हस्तांतरित करने का उपाय है।

गांधी का पराक्रम यह था कि उन्होंने जनपदीय पहचानों को समाप्त कर सामुदायिक सवालों को सामने रखा उन्हें राष्ट्रीय सवाल बनाया और उसी से भारतीयता की भावना बलवती हुई। जनपदीय सीमाएं टूटीं और कांग्रेस एक राष्ट्रीय महानदी बन गई ।आज भी कांग्रेस को आवश्यकता है कि छोटे-छोटे कुपोषित नेतृत्व को पहचान देने की बजाय वैचारिक पहचान देने की कोशिश करे। कल हमारे पास महात्मा गांधी जवाहरलाल नेहरू सरदार पटेल मौलाना आजाद जैसे नेता नैतिक शक्ति के रूप में मौजूद थे कालांतर में जिनके आसपास कांग्रेस की संरचना हुई। आज की परिस्थितियों में राहुल गांधी की भारतजोड़ो यात्रा ने उन्हें एक नैतिक शक्ति का स्वरूप दिया है इसे विस्तारित करने की जरूरत है जो हर जिला ,तहसील, गांव , मंडल पर वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध कार्यकर्ता को पहचान दिए बिना नहीं किया जा सकता।आज स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार गांव गांव में मौजूद है,उनके घरों से कई दशक तक कांग्रेस चली है।उन्हें पानी देने से वे कोंपलें पैदा हो सकतीं हैं जो इस विचारबद्धता को शक्ति देने के लिये जरुरी हैं।

(लेखक वरिष्ठ कांग्रेस नेता व गांधीचौपाल के अध्यक्ष हैं)

अजब-गजब संभाग मुख्यालय नगरपालिका

सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के समय से पहले जारी कर दिए नाम

■ कर्मचारी संघ ने कहा- यह स्थापना शाखा और सीएमओ की मनमानी है..

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

संभाग मुख्यालय की नगरपालिका में जो हो जाए वह कम है. यहाँ पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी किस तरह अपनी मनमानी पर उतारू है यह कई बार देखा जा चुका है. इन मनमानियों को लेकर कर्मचारी संघ हमेशा विरोध पर उतारू रहा है. नगर पालिका के कारनामों को लेकर कर्मचारी संघ ने कई बार वरिष्ठ स्तर पर शिकायतें भी दर्ज कराई है. अभी हाल में एक आदेश जारी होने पर नपा कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि कार्यालय नगरपालिका कि स्थापना शाखा के द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले नियमित कर्मचारी एवं

विनियमित कर्मचारियों की सूची मध्यप्रदेश नगरपालिका कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा शर्तें) नियम 1968 के नियम 23 तथा सेवा अभिलेखों के आधार पर सूची आदेश जारी करके संबंधित

कर्मचारी/श्रमिकों को वितरित कर दिये गये है कर्मचारियों को सेवानिवृत्त जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 की सूचना तीन माह से लेकर पन्द्रह माह के बीच देकर स्थापना शाखा ने अपने कर्तव्य कि इति श्री कर ली है जबकि सेवानिवृत्त से संबंधित जानकारी कर्मचारियों को सेवानिवृत्त दिनांक समयावधि में तीन माह से लेकर छः माह कि समय सीमा में दी जाती हैं पन्द्रह माह पूर्व सेवानिवृत्त सूचना आदेश दिए जाने का क्या औचित्य है यह बिल्कुल समझ से परे है.

विगत दो तीन वर्ष पूर्व जल प्रदाय विभाग में पदस्थ विनियमित कर्मचारी केशव भार्गव, गौवर्धन, मसीह कर्मचारीयों को सेवानिवृत्त किया गया था उनसे छै माह तक अत्यधिक काम लिया गया चेतना अवस्था वापस आ ने पर या मूर्छित अवस्था दूर होने के पश्चात सेवानिवृत्ति से संबंधित दस्तावेज स्थापना शाखा के द्वारा संबंधित कर्मचारियों को दिये गये सेवानिवृत्ति के पश्चात ग्रेच्युटी राशि शासन के आदेशों के पालन में लगभग दो लाख रुपए कि राशि का भुगतान आज तक नहीं किया गया है नगरपालिका में शासन आदेशों के पालन में ग्रेच्युटी राशि या अन्य आर्थिक लाभ सेवानिवृत्त होने वाले विनियमित व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नहीं दिये जाते है साथ ही सेवानिवृत्त सम्मान समारोह राशि भी शासन मद से प्राप्त न करके कर्मचारियों को सम्मान से वंचित रखा जाता है.

सेवानिवृत्त सम्मान समारोह निधि मध्यप्रदेश शासन के आदेश को प्राथमिकता देकर नगरपालिका की स्थापना शाखा या संबंधित विभाग के द्वारा कर्मचारियों कि सेवानिवृत्त पर विभाग के द्वारा सम्मानित किया जा सके को लेकर सम्मान समारोह निधि राशि प्राप्ति को लेकर उचित कार्यवाही कि जावे इस विषय से संबंधित पत्र शासन आदेश सहित कार्यालय नगरपालिका में मजदूर संघ के द्वारा दिया गया परंतु बड़े ही दुख का विषय है कि इस संबंध में नगरपालिका के द्वारा निरंतर अवमानना व अवहेलना कि जा रही है आज जो कर्मचारी अधिकारी इस काम में रोड़ा बने हुए हैं कल वो भी सेवानिवृत्त होंगे उनको इस बात का एहसास नहीं है.

स्थापना दिवस पर सीहोर कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण

■ कलेक्टर ने सभी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की दीं शुभकामनाएं

सीहोर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

कलेक्टर ने सभी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हम सभी को हिंदुस्तान के हृदय प्रदेश कहे जाने वाले मध्य प्रदेश में शासकीय सेवक के रूप मे जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है तथा हरित प्रदेश है।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम सभी को यह प्रण लेना चाहिए कि हम सभी सुशासन के नए आयाम स्थापित करें। उन्होंने कहा कि सुशासन का अर्थ है कि हम सभी शासन द्वारा दी गई जनता की जिम्मेदारियों को पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि अभी तक जो जो लक्ष्य एवं कार्य हमें दिए गए हम सभी ने पूरी निष्ठा के साथ मिलकर

उन लक्ष्यों एवं कार्यों को पूर्ण किया है और इसी प्रकार आगे भी करते रहेंगे।

कलेक्टर ने दिलाई मतदान करने की शपथ

कलेक्टर ने कहा कि आगामी 13 नवंबर को बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए मतदान होगा। उन्होंने बुधनी विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी अपना कीमती समय निकालकर मतदान करने अवश्य जाएं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएजी सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि वे सभी मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम उप निर्वाचन में मतदान का प्रतिशत अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर प्रवीण सिंह ने अधिक से मतदान के लिए सभी को शपथ दिलाई।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए छात्र-छात्राएं पुरस्कृत

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संगीतिका संगीत महाविद्यालय के छात्रों द्वारा राष्ट्रगान एवं मध्य प्रदेश गान, स्वरांजलि म्यूजिकल ग्रुप द्वारा मतदाता जागरूकता गीत, स्वरांजली म्यूजिकल ग्रुप की कुमारी दीप्ति शर्मा द्वारा एकल नृत्य, शासकीय सीएम राईज मनुबेन स्कूल की छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता समूह नृत्य प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर प्रवीण सिंह द्वारा स्वरांजली म्यूजिकल ग्रुप के छात्रों को पांच हजार एक सौ रुपये, सीएम राईज मनुबेन स्कूल की छात्राओं को दो हजार पांच सौ रुपये, संगीतिका संगीत महाविद्यालय के ग्रुप को दो हजार एक सौ रुपये तथा एकल नृत्य के लिए कुमारी दीप्ति को एक हजार एक सौ रुपये की राशि से पुरस्कृत किया गया।

तीर्थंकर भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव धार्मिक अनुष्ठान कर मनाया

■ जैन धर्म के पंच रंगीय ध्वज एवं कृति स्तंभ स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गोरव शाली स्वर्ण जंयति वर्ष महोत्सव के रुप मे मनाया गया

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जैन धर्म के इष्ट आस्था के केंद्र 1008 श्री भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाण महोत्सव श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर मे पंडित कपिल जैन के निर्दशन मे श्रावक श्राविकाओ ने प्रातः 6 बजे श्री जी के अभिषेक शांति धरा नित्य नियम पुजा कर निर्वाण विधान मंडल धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर पुण्य लाभ अर्जित किया ।

तत्पश्चात भगवान महावीर के 2500 वें निर्वाण महोत्सव पर संसोधित पंच रंगीय ध्वज तथा णमोकार महामंत्र व भगवान महावीर के संदेश के उल्लेख से परिपूर्ण स्मारक कृति स्तंभ स्थापित के 50 वें वर्ष स्वर्ण जंयति वर्ष को भक्ति भाव से नित्य नियम पुजा अर्चना विधान मंडल धार्मिक अनुष्ठान निर्वाण लाडू समर्पित कर ध्वज वंदना कर मनाया गया ।

कस्बा स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर मे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगे । तत्पश्चात बृहमपुरी

स्थित श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर श्रधदालोकार पंहुचकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर गांधी पार्क मे स्थापित भगवानजी कि प्रतिमा तथा भगवान महावीर के संदेश व महामंत्र णमोकार के उल्लेख से परिपूर्ण कृति स्तंभ स्थापना के 50 वर्ष पर स्वर्ण जंयति वर्ष महोत्सव पर पूजा अर्चना धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर श्रध्दालुओ ने धर्म लाभ अर्जित किया । धर्म सभा का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र समक्ष समाज अध्यक्ष अजय जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष पत्रकार विमल जैन,जैनपाल जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया । जैन भजन गायक विल्सन जैन ने अपनी मधुर आवाज मे मंगलाचरण व भजन की प्रस्तुति दी। वही महिला मंडल ने भक्तामर महाकाव्य गायन तथा भक्ति भाव से भजन-कीर्तन कर प्रभांवना का वितरण किया गया ।

कृति स्तंभ का गोरव शाली इतिहास – ज्ञातव्य है की भगवान महावीर के 2500 वां निर्वाण महोत्सव राष्ट्रीय स्तर भारत सरकार के तत्वाधान मे जैन समाज ने श्रध्दा के साथ महामहोत्सव विशाल व भव्य रूप मे आयोजित कर मनाया था । भगवान महावीर के 2500 निर्वाण महोत्सव पर अनादिकाल से फहराए जाने वाले ध्वज को धर्म गुरु आचार्य श्री संघ के विचार व स्वीकृति पर संसोधित कर पंच रंगीय ध्वज फहराकर आयोजन का शुभारंभ हुआ था। वही विश्व को अंहिसा का संदेश का प्रथम उदघोष प्रदान कर विश्व मे शांति एवं जीव दया के पावन उद्देश्य को सार्थक सिध्द करने वाले भगवान महावीर के संदेश को जन जन तक पंहुचाने के पावन उद्देश्य से भगवान महावीर के 2500 वें निर्वाण महोत्सव स्मारक के रुप मे कृति स्तंभ विधी विधान से स्थापित कर श्रध्दालुओ ने धर्म लाभ अर्जित किया था। जैन धर्म के अनुयायीयोके आस्था का केन्द्र है ।

'कमेन्डेशन डिस्क' एवं 'प्रशस्ति-पत्र' से सम्मानित होंगे वनकर्मी, वन भवन में 6 नवम्बर को होगा कार्यक्रम

स्थापना दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी होंगे पुरस्कृत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के वनकर्मियों को स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा वन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मध्यप्रदेश ÷कमेन्डेशन डिस्क'' एवं ÷प्रशस्ति-पत्र'' देकर सम्मानित किया जायेगा। सम्मान समारोह 6 नवम्बर को वन भवन (वन मुख्यालय) तुलसी नगर, भोपाल में दोपहर 12 बजे होगा।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन-II) श्रीमती कमलिका मोहन्ता ने बताया कि प्रधान मुख्य

■ नर्मदापुरम के वन-रक्षक उपदेश उइके होंगे सम्मानित

वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख की ओर से 'कमेन्डेशन डिस्क' एवं 'प्रशस्ति-पत्र' दिये जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष में एक बार 1 नवम्बर स्थापना दिवस के अवसर

पर यह पुरस्कार कार्यपालिक अधिकारियों, कर्मचारियों- वन क्षेत्रपाल, उप वन क्षेत्रपाल, वनपाल और वनरक्षक को दिये जाने का प्रावधान है। श्रीमती मोहन्ता ने बताया कि वन मुख्यालय स्तर पर सायटेशन की छानबीन एवं समस्त प्रकरणों की छानबीन के लिये प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशासन-I) की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा समस्त वन वृत्तों से प्राप्त प्रस्तावों का परीक्षण कर वर्ष 2024 के लिये 46 अधिकारी-कर्मचारियों को 'कमेन्डेशन डिस्क' एवं 'प्रशस्ति-पत्र' दिये जाने की अनुशंसा की गई है।

पुरस्कृत होने वाले वन कर्मियों में नर्मदापुरम- हरदा के वन-रक्षक अमित राय, वन-रक्षक अशोक लखोरे, नर्मदापुरम के वन-रक्षक उपदेश उइके हैं.

प्राचीन संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरता 12 खम्बा मेला

सीहोर। भारत, विविध बहुरंगी संस्कृतियों, और परंपराओं का देश है, जो अपने जीवंत त्योहारों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। हमारे देश में कुछ किलोमीटर के अन्तराल में ही स्थानीय बोली, परिवेश और सांस्कृतिक विविधता के दर्शन हो जाते हैं। देश के तीज, त्योहारों और मेलों का जीवन में एक विशेष महत्व है। यह हमारी जीवंत और समृद्धशाली सांस्कृतिक का प्रतीक है, जो सनातन से अविरल प्रवाहमान है। भारतीय संस्कृति में केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि सृष्टि के प्रत्येक प्राणी के कल्याण की कामना है। सीहोर जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर लगने वाला बारह खम्बा मेला, एक ऐसा मेला है जिसमें पशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पूजा-अर्चना की जाती है। दीपावाली के दूसरे दिन अर्थात पडवाँ के दिन इछावर तहसील के ग्राम देवपुरा में बारह खंबा मेला लगता है। यह मेला मध्यक्षेत्र का सबसे बड़ा मेला है, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। इस मेले में लाखों जनजातीय वर्ग के लोग अपने ईष्ट देव की शिला का दूध से अभिषेक और पूजा अर्चना कर अपने पशुधन की स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना करते हैं।

शत-प्रतिशत जन-धन बैंक खाते खोले गये 37.65 लाख पीवीटीजी व्यक्ति योजनाओं से हुए लाभान्वित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) योजना में 5 लाख 46 हजार 335 व्यक्तियों के जन-धन बैंक खाते खोले गये हैं। यह लक्ष्य की शत-प्रतिशत उपलब्धि है। जन-धन बैंक खाते खोलने के लिये सरकार द्वारा 5 लाख 46 हजार 335 व्यक्तियों को ही चिन्हित किया गया था।

पीएम जन-मन में हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ वितरण के लिये 40 लाख 35 हजार 376 व्यक्तियों को पात्र पाया गया था। सरकार के त्वरित व कारगर प्रयासों से अब तक 37 लाख 65 हजार 294 पीवीटीजी व्यक्तियों (लक्ष्य के विरुद्ध 93.31 प्रतिशत उपलब्धि) को सभी प्रकार की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिया जा चुका है।

विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों (पीवीटीजी) के तीव्र विकास के लिये विशेष प्रयास तेजी से किये जा रहे हैं। इन पीवीटीजी परिवारों को केन्द्र व राज्य सरकार की सभी हितग्राहीमूलक व विकासमूलक योजनाओं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सीधा लाभ देकर इनके स्थायी रोजगार की व्यवस्था भी की जा रही है।

प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजातियों की पूरी आबादी में सभी के आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनाने के साथ-साथ सबके जन-धन बैंक खाते भी खोले जा रहे हैं। साथ ही इन सभी के जाति प्रमाण-पत्र बनाने के अलावा इस जनजाति समूह के पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ भी दिया जा रहा है।

अब तक लक्षित आबादी के 10 लाख 94 हजार 478 व्यक्तियों के आधार कार्ड (96.40 प्रतिशत उपलब्धि), 9 लाख 81 हजार 86 व्यक्तियों के जाति प्रमाण-पत्र (97.90 प्रतिशत उपलब्धि), 6 लाख 93 हजार 568 व्यक्तियों के आयुष्मान भारत कार्ड (77.18 प्रतिशत उपलब्धि) तैयार कर लिये गये हैं। इसी प्रकार लक्षित आबादी/समूह के 88 हजार 678 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रोत्साहन राशि का लाभ देकर (99.60 प्रतिशत उपलब्धि) 58 हजार 899 किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड (99.10 प्रतिशत उपलब्धि) भी बना दिये गये हैं।

1.04 लाख व्यक्तियों को मिली आवास निर्माण की राशि, 31 हजार 719 आवास बनकर तैयार

मेट्रो एंकर उपसंचालक कृषि कार्यालय में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी राजेश चौरे को सेवानिवृत्ति

टीम भावना से काम करने वाले निष्ठावान अधिकारी को दी विदाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

उपसंचालक कृषि कार्यालय में पदस्थ राजेश चौरे कृषि विस्तार अधिकारी को अर्धवार्षिक आयु पूर्ण होने पर विभाग के द्वारा जिला कार्यालय प्रांगण में अभूतपूर्व गरिमामय भव्य विदाई समारोह का शानदार आतिशबाजी ढोल धमाकों के साथ आयोजन स्थल से गृह निवास तक बाइक एवं फोर व्हीलर रैली के साथ विदाई देख कर आयोजन को ऐतिहासिक बनाया आयोजन जे आर हेडाऊ उपसंचालक कृषि के मुख्य आतिथ्य में विदाई दी गई। कार्यक्रम के प्रारंभ सेवानिवृत्त हो रहे अपने साथी का विभागीय अधिकारी कर्मचारी विभिन्न संगठन पेंशनर्स साथी कर्मचारी खेल कूद सामाजिक संगठनों के उपस्थित पदाधिकारी ने?

पुष्पहार एवं शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया । उल्लेखनीय की श्री चौरे 42 वर्ष लगभग 5 माह की विभाग में निष्कलंक समर्पण भाव से कार्य कर सेवानिवृत्ति हुए हैं उपसंचालक कृषि ने अपने उद्बोधन में श्री चौरे को निष्ठवान कर्मठ मिलनसार एवं टीम भावना से कार्य करने वाला कर्मचारी निरूपित करते हुए विभाग के कार्यक्रमों का बेहतरीन मंच संचालक विभाग की बुलंद आवाज विभागीय कार्यक्रमों मेला प्रदर्शनी संगोष्ठी कार्यशाला आदि कार्यक्रमों के संयोजन में महत्वपूर्ण योगदान करने वाला बताया जे एल कासदे सहायक संचालक कृषि ने अपने उद्बोधन में शासकीय कार्यों का व्यवस्थित समयबद्ध तरीके से निराकरण करने वाले कर्मचारी निरूपित किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशल पटेल पूर्व जनपद अध्यक्ष भगवती चौरे ने अपने उद्बोधन में विभाग से संबंधित कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की अनुराग मिश्रा सेवानिवृत्ति स्पोर्ट्स अधिकारी उन्हें विभागीय कार्यों का संपादन का योग अधिकारी बताते हुए खेलकूद संगठनों में भी प्रतिभाओं को उभरने में मदद करने वाला बहुमुखी व्यक्तित्व का बताया कार्यक्रम का संचालन कर रहे पंकज तिवारी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य कि हमारे विभाग के कर्मचारियों की मदद करने वाला अपने शासकीय की कार्यों का निष्पादन व्यवस्थित तरीके से करने वाला कर्मचारी संगठनों में जिले संभाग एवं प्रदेश में अपनी पहचान बनाने वाले कर्मचारी साथियों को मदद करने वाले निरूपित किया विदा ले रहे राजेश चौरे कृषि विस्तार अधिकारी ने अपने उद्बोधन में विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी साथियों से विभागीय कार्यों के संपादन में मिले मार्गदर्शन सहयोग समन्वय हेतु उपसंचालक कृषि एवं पूरे विभाग के अधिकारी कर्मचारीयों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभाग के अधिकारी कर्मचारी विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी खेलकूद संगठनों के पदाधिकारी पेंशनर समाज सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में शिरकत कर इस विदाई समारोह को ऐतिहासिक बना दिया आभार प्रदर्शन राजीव यादव सहायक संचालक कृषि ने व्यक्त किया।

राज्य स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस पर आज जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। ततसंबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुसार जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशो का हवाला देते हुए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जिला स्तर पर दो नवम्बर को पुलिस लाइन विदिशा में प्रातः नौ बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा सम्पूर्ण कार्यक्रम के लिए जिला पंचायत सीईओ एवं एसडीएम विदिशा को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। जिसमें ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सुव्यवस्थित संचालन व क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागो के जिलाधिकारियों को पृथक-पृथक जबावदेंही सौपी है जिसमें आमंत्रण, कार्यक्रम स्थल पुलिस परेड ग्राउण्ड पर टेन्ट, कुर्सी, मंच, डेकोरेशन, पेयजल व्यवस्था, रंगोली व्यवस्था, स्वसहायता समूह एवं कुटीर उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादित वस्तुओं के विक्रय हेतु व्यवस्थाएं कुटीर एवं ग्रामोद्योग तथा आजीविका मिशन के जिला समन्वयक और जिला पंचायत सीईओ के

द्वारा सुनिश्चित कराई जाएगी।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में जिला-स्तर पर आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश स्थापना दिवस में मध्यप्रदेश केन्द्रित कार्यक्रमों का निर्धारण स्थानीय सुविधा से जिला स्तर पर 01 से 03 नवम्बर के मध्य स्वयं निर्णय लेकर किये जाये। इसके लिए जिला प्रशासन को अधिकृत किया गया है।

स्वच्छता, सजावट, रंगोली केन्द्रित गतिविधियाँ, ऐतिहासिक स्मारकों, महापुरूषों की प्रतिमाओं, प्रमुख कार्यालयों के परिसरो की साफ सफाई, स्वसहायता समूहों के माध्यम से दीपावली से संबंधित सामग्री का क्रय, गो शालाओं में गोवर्धन पूजा के कार्यकम आयोजित किये जाएं, निर्धन बस्तियों में दीपावली मनाई जावें एवं निर्माण श्रमिकों को मिष्ठान वितरण आदि की गतिविधियाँ जिला स्तर पर की जाये।

दीपावली पर होने वाली आतिशबाजी के कचरे को हटाने के लिए सघन स्वच्छता अभियान चलाया जाये। जिला-स्तर पर आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश स्थापना दिवसष्के समारोह तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए तात्कालिक रूप से संस्कृति विभाग द्वारा भोपाल जिले को छोड़कर शेष सभी जिलों को एक-एक लाख की राशि जिला कलेक्टर को आवंटित की जायेगी।

शासकीय अस्पतालों में मरीजों के लिए फल एवं मिठाई का वितरण तथा गरीब बस्तियों में मिठाई इत्यादि का वितरण स्थानीय संस्थाओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग एवं जिला स्तर पर उपलब्ध बजट से कराया जावे।

प्रदेश में स्वसहायता समूहों एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित,उत्पादित वस्तुओं के क्रय-विक्रय हेतु भी समुचित प्रबंध किये जायें।

आटीओ ने नियम विरुद्व चलते पकड़े 9 वाहन, 78 हजार जुर्माना वसूला सिरोंज में कब होगी कार्यवाही?

खबर का असर

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

हमारे संवादाता द्वारा बुधवार के अंक में बस संचालक नियम विरुद्ध वसूल रहे है यात्रियों से किराया 137 के स्थान पर 150 रूपये की वसूली शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई थी। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निर्देश दिये कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी गिरजेश वर्मा ने बुधवार को यात्री बसों की जांच की। जिसमें से नौ यात्री वाहन नियम विरूद्ध चलते पाए जाने कपर उनके विरूद्ध चालानी कार्यवाही की गई। सात वाहनों से 78 हजार रुपए जुर्मान वसूला गया। अब देखना है की परिवहन अधिकारी सिरोंज में चल रही बसों पर कब कार्रवाही करते है, बस संचालकों द्वारा चलाई जा रही मनमानी पर अंकुश लगाते है।

जिला परिवहन अधिकारी गिरजेश वर्मा ने बताया कि दीपावली त्यौहार पर बसों में पात्रता से अधिक यात्रियों के वहन करने एवं निर्धारित किराया से अधिक किराया लेने के उद्धेश्य से वाहनो की जांच सागर रोड पर आकस्मिक रूप से की गई। जिसमें से नौ वाहन नियम विरूद्ध संचालित पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्यवाही की गई है। तीन यात्री बसे स्पेशल पार्टी पर बिना परमिट संचालित होना पाया गया तथा अन्य यात्री बसें पात्रता से अधिक सवारी तथा निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने के कारण उल्लेखित बसो के खिलाफ कार्यवाही की गई है। नौ यात्री वाहन नियम विरूद्ध चलते पाए जाने के कारण उनके विरूद्ध चालानी कार्यवाही की गई है सात वाहनो से शमन शुल्क 78 हजार रूपए वसूला गया है शेष दो वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्यांशा में जप्त कर जिला परिवहन कार्यालय प्रागंण में सुरक्षार्थ हेतु रखे गए है।

विधायक ने एसडीएम के साथ किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

नहीं मिले बीएमओ, नोटिस जारी एक ही डॉक्टर की 24 घंटे ड्यूटी

- विधायक उमाकांत शर्मा ने नाराजगी जाहिर करते हुए लापरवाही बरतने वालों पर ठोस कार्रवाई करने एसडीएम को दिए निर्देश

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय की जमीनी हकीकत देखने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा, एसडीएम हर्षल चौधरी को लेकर पहुंचे तो यहां पर हालात उल्टे ही नजर आए व्यवस्था बनाने वाले ही गायब थे अजब और गजब काम भी यहां पर देखने को मिला एक ही डॉक्टर की ड्यूटी 24 घंटे के लिए लगातार लगाई जा रही है। जबकि रोस्टर के हिसाब से अलग-अलग दिनों के हिसाब से ड्यूटी बदलती रहती है पर यहां पर ऐसा नहीं हो रहा है । पंजीयन काउंटर की व्यवस्था भी अपने हिसाब से यहां पर चल रही है । शासन के निर्देश के अनुसार नहीं हो रही है ऑनलाइन ही रसीद बनाई जाती है पर यहां पर

ऑफलाइन हो रही है जब इसका सवाल किया गया तो बताया गया कि ऑपरेटर चला जाता है 2 बजे के बाद ऑफलाइन ही करते हैं। ऑनलाइन व्यवस्था इसलिए की गई है कि अस्पताल में मरीज से गलत राशि ना ले सके जबकि यहां पर ऑफलाइन इस काम को करके मरीजों से राशि भी वसूली जाती है रिकॉर्ड में मैं भी गड़बड़ी की जाती है।

लापरवाही बरतने वालों पर ठोस कार्रवाई हो : शर्मा

सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं मिली अस्पताल परिसर की हालत भी ठीक नहीं थे उपस्थिति रजिस्टर के साथ अन्य व्यवस्थाओं का भी संचालन भी सही तरीके से नहीं की जा रहा था जिस पर विधायक उमाकांत शर्मा ने नाराजगी जाहिर करते हुए लापरवाही बरतने वालों पर ठोस कार्रवाई करने के लिए एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल में जो लापरवाही है मिली उन पर संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करें अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा मिले शासन के बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने क लिए लगातार कदम उठाए जा रहें हैं ।

बीएमओ को एसडीएम ने जारी किया नोटिस

अस्पताल के निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर एसडीएम हर्षल चौधरी ने बिना सूचना के अस्पताल में अनुपस्थित मिले बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिवस में जवाब देने का समय दिया है । संतोजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही उन्होंने सीएमएचओ से इस संबंध में दूरभाष पर चर्चा करते हुए बताया कि निरीक्षण में बीएमओ बगैर सूचना के अस्पताल से नदारद थे। और सबसे बड़ी बात तो यह है कि एक ही डॉक्टर की ड्यूटी 24 घंटे के लिए लगाकर नियम विरुद्ध कार्य की जा रहा है। पंजीयन काउंटर पर ऑफलाइन काम हो रहा है, जबकि आनलाइन की व्यवस्था की गई है। साफ-सफाई की व्यवस्था भी ठीक नहीं मिली ।

शेष अन्य अवस्थाओं के संबंध में भी अगवत कराकर तत्काल व्यवस्थाओं में सुधार करवाने के लिए उचित कदम उठाने के लिए कहा है। इसके साथ ही एसडीएम के द्वारा निरीक्षण में मिली कर्मियों में परिवर्तन लाने के लिए जरूरी कार्रवाई करने की बात कही है।

इनका कहना है

अस्पताल के निरीक्षण में जो भी कमियां मिलीं है उनमे सुधार करेंगे बीएमओ को भी बगैर सूचना के अस्पताल मैं नहीं मिलने पर नोटिस जारी किया है।

-हर्षल चौधरी एसडीएम

समर्थन मूल्य पर सोयाबीन उपार्जन, कलेक्टर ने प्रतिदिन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी संबंधी सभी कार्य जारी मापदण्डो के अनुसार संपादित हो के लिए विशेष पहल की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केन्द्रो पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, कठिनाईयां उत्पन्न ना हो इसके लिए अपर कलेक्टर को हर रोज छह विभागीय अधिकारियों का संयुक्त पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश प्रसारित किए गए है।

अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर को सोयाबीन उपार्जन से संबंधित जिन अधिकारियों के द्वारा हर रोज प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाएगा उनमें किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक, जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ, सहकारी संस्थाएं के उपायुक्त तथा मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एवं लाजिस्टिक्स कार्पोरेशन के जिला प्रबंधक शामिल है।

उपार्जन समिति में संशोधन – कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में सोयाबीन उपार्जन के लिए निर्धारित समितियों के संबंध में जारी आदेश में आंशिक संशोधन कर उपार्जन समितियों में संशोधन किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा 29 अक्टूबर को संशोधित आदेशानुसार गुलाबगंज तहसील के उपार्जन समिति सेवा सहकारी समिति मर्यादित खेजडाबर्री, के स्थान पर सेवा सहकारी समिति मर्यादित बर्रीघाट नियत किया गया है जबकि गोदाम उपार्जन केन्द्र सानवी वेयर हाउस गुलाबगंज को नियत किया गया है। इसी प्रकार गंजबासौदा की विपणन सहकारी समिति मर्यादित को संशोधित करते हुए मंगला वेयर हाउसिंग उपार्जन समिति नियत की गई है। जबकि गोदाम उपार्जन स्थल एसडब्ल्यूएलसी बंजारी माता मंदिर बरेठ रोड, निर्धारित किया गया है।

तीन नए उपार्जन केन्द्र निर्धारित – जिला स्तरीय उपार्जन समिति की अनुशंसा पर विदिशा जिले में तीन नए सोयाबीन उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए गए है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि विदिशा तहसील अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित भदारबडागांव नवीन उपार्जन केन्द्र बनाया गया है उक्त उपार्जन समिति हेतु गोदाम एमएसडी वेयर हाउस ग्राम भदारबडागांव निर्धारित किया गया है।

इसी प्रकार लटेरी तहसील में उपार्जन समिति विपणन सहकारी समिति मर्यादित लटेरी को नवीन उपार्जन केन्द्र बनाया गया है इसके लिए गोदाम श्री बांके बिहारी वेयर हाउस ग्राम रूसल्ली साहू लटेरी तय की गई है। कुरवाई तहसील में सेवा सहकारी मर्यादित कुरवाई नवीन उपार्जन केन्द्र के लिए गोदाम शिवम लाजिस्टिक वेयर हाउस ग्राम केसरगंज कुरवाई निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले के तीनों नवीन उपार्जन केन्द्रो पर सोयाबीन समर्थन मूल्य पर क्रय करने हेतु शासन द्वारा जारी गाइड लाइन का अक्षरशः पालन कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधितों को जारी किए गए है।

राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु अजा वर्ग के खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा राज्य ,राष्ट्रीय स्तर की अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाडियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत करने हेतु अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे खिलाड़ी जिन्हें वर्ष 2023 तक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाडियों को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किये जाने आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने बताया कि राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तिगत ,सामूहिक स्पर्धाओं में भाग लेने वाले राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाडियों को प्रोत्साहित करने हेतु खेल कूद एवं सांस्कृतिक/बाद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन योजना संचालित है। योजनांतर्गत वर्ष 2023 तक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाडियों को राज्य स्तर पुरस्कृत किये जाने एवं एक जनवरी.2023 से दिसंबर .2023 तक राष्ट्रीयध्राज्य स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अनुसूचित जाति वर्ग के खिलाडियों को खेल उपकरण हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु योजनांतर्गत पात्रता की शर्त एवं महत्वपूर्ण नियम, निर्देश तथा आवेदन का प्रारूप विभागीय वेवसाइट से डाउनलोड करें आवेदक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर या पंजीकृत पत्र के माध्यम से आवेदन प्रपत्र एक एवं दो में अंतिम तिथि 15 नवंबर 2024 तक कार्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग विदिशा में जमा करना सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। आवेदन करने पर कठिनाई होने पर कार्यालय अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग विदिशा में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर अपनी समस्या का निराकरण करा सकते है।

फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया से प्रशिक्षित हुए कर्मचारी

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में फार्मर रजिस्ट्री के लिए निर्धारित प्रक्रिया से संबंधितों के लिए बुधवार तीस अक्टूबर को ऑन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गूगलमीट के द्वारा दिए गए प्रशिक्षण में सभी पटवारियों तथा लोकल यूथ सहायक संबंधी पटवारियों को फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया के पैरामीटर की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया है। विदिशा तहसील के राजस्व निरीक्षक जेडीईओ एवं एईजीएम भी शामिल हुए थे। जिले के पटवारी व लोकल यूथ को फार्मर रजिस्ट्री से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानो की फार्मर आईडी का डेमो प्रदर्शन भी किया गया है।

मेट्रो एंकर नगर में धूमधाम से मनी दिवाली, भाजपा नेताओं ने दुकानदारों से किया जनसंपर्क दी बधाईयां

दीपोत्सव से जगमगाया शहर, जमकर हुई आतिशबाजी

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

दीपावली का त्योहार नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में उत्सव मांग के साथ मनाया गया पूरी रात आतिशबाजी होती रही बच्चों से लेकर बड़ों में भी गजब का उत्साह देखने को मिला एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर मिठाई भी खिलाएगी क्योंकि दीपावली का पर्व मिठाई और दीपों के लिए विशेष रूप से मनाया जाता है । दीपावली पर बाजार में एक से बढ़कर एक मिठाई थी बड़ी संख्या में दुकानें सजी हुई थी जहां पर मिठाई खरीदने के लिए दुकानों पर मेल सा लग रहा बाजार में भी भारी चल रही। रिमझिम करती रोशनी से घरों ,दुकानों को सजाया गया था रात भर

आसमान पर आतिशबाजी गूंजती रही शुक्रवार को भी जमकर आतिशबाजी हुई शुभ मुहूर्त में मा महालक्ष्मी गौ माता की पूजा अर्चना की गई। पूजा अर्चना का 8 से प्रारंभ होकर देर रात तक चलता रहा बाजार में भी शुभकामनाएं देने के लिए जनप्रतिनिधि पहुंचे 12 बजे के बाद भी व्यापारी बैठे रहे। बच्चों ने भी जमकर दीपावली का जश्न मनाया।

भाजपा नेताओं ने बाजार में किया जनसंपर्क - नगर में दीपावली धूमधाम से मनाई गई। धन धान्य कि देवी मां लक्ष्मी जी की पूजा उपरांत नागरिकों ने जोरदार आतिशबाजी कर एवं एक दूसरे की कुशलता की कमाना करते हुए एक दूसरे को बधाईयां भी प्रेषित की।

इस मौके पर भाजपा नेताओं ने हमेशा की तरह मुख्य बाजार में नागरिकों एवं दुकानदारों के पास कोई जनसंपर्क करते हुए दीपावली की बधाईयां दी।

पेरिस मास्टर्स टेनिस: हम्बर्ट ने किया उलटफेर

अल्कारेज को हराकर अंतिम-8 में पहुंचे, पांच गेम लगातार जीते

पेरिस. एजेंसी

फ्रांस के उगो हम्बर्ट ने तीसरे दौर में कार्लोस अल्कारेज को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने 6-1, 3-6, 7-5 से जीत हासिल करके अपने घरेलू एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। 2 घंटे और 17 मिनट में मिली हम्बर्ट की यह जीत उनके करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। इससे पहले उन्होंने 2022 एटीपी कप में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव को हराया था। हम्बर्ट ने कहा, मैं खुद पर बहुत गर्व महसूस कर रहा हूं। यह एक बहुत ही शानदार मैच था, जहां मैंने शानदार खेल दिखाया।

हम्बर्ट ने मैच की शुरुआत में पांच गेम लगातार जीते, लेकिन फिर अल्कारेज ने वापसी की कोशिश की। हालांकि, निर्णायक सेट के आखिरी पलों में हम्बर्ट ने अपना बेहतरीन खेल दिखाया और जीत हासिल की। हम्बर्ट ने अल्कारेज को 25 विजयी शॉट्स के मुकाबले 23 से मात दी। उन्होंने छह में से तीन ब्रेक पॉइंट्स का फायदा उठाया और अपने करियर के चौथे मास्टर्स क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

अल्कारेज पर पहली जीत: दोनों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ यह हम्बर्ट की पहली जीत थी। क्वार्टरफाइनल में हम्बर्ट का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन से होगा, जिन्होंने एड्रियन मानारिनो को 7-5, 7-6 से हराया।

क्लब फुटबॉल : अल तावौन ने 1-0 से दी शिकस्त

पेनल्टी चूके रोनाल्डो, अल नासर किंग्स कप टूर्नामेंट से हुई बाहर

रियाद (सऊदी अरब). एजेंसी

पांच बार के बेलोन डी ओर अवॉर्ड विजेता पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गलती का खामियाजा उनके क्लब को भुगतना पड़ा। रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को किंग्स कप टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। दरअसल रोनाल्डो अल तावौन के खिलाफ दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मिली पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए, इससे अल नासर को सऊदी अरब के घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही रोनाल्डो की टीम अल नासर इस प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

सऊदी टीम ने रोनाल्डो से दो साल पहले करार किया था। रोनाल्डो के प्रशंसक इस बात से निराश हैं कि उनके जुड़ने के बाद अल नासर अब तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाया है। किंग्स कप के राउंड ऑफ 16 चरण के मैच में अल तावौन ने 20 मिनट बाकी रहते ही अल नासर पर बढ़त बना ली थी। वलीद अल अहमद ने हेडर से गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। अहमद की 95वें मिनट में की गई गलती से अल नासर को पेनल्टी मिल गई, लेकिन टीम ने यह मौका गंवा दिया।

सऊदी प्रो लीग में टीम 3रे नंबर पर

सऊदी प्रो लीग में भी टीम अभी तीसरे नंबर पर चल रही है। आठ मैचों में अल नासर के 18 अंक हैं। इनमें से टीम को पांच मैचों में जीत मिली है जबकि तीन मैच ड्रॉ रहे हैं। अल हिलाल 24 अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसने अपने सभी आठ मैचों में जीत हासिल की है। रोनाल्डो इस मैच में जैसे पेनल्टी चूके, स्टेडियम में बैठे उनके प्रशंसक बेहद निराश हो गए। रोनाल्डो ने अल नासर के लिए अपने पिछले सभी 18 पेनल्टी को गोल में बदला था, लेकिन इस बार वे चूक गए। रोनाल्डो ने शॉट मारा और गेंद बार के ऊपर से निकल गई।

मेट्रो बाजार

सोने सा चमका बाजार, इस दिवाली 25 टन सोना बिका, 60000 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली. एजेंसी

इस दीपावली सुस्त पड़े बाजार में रौनक लौट आई। देशभर के बाजारों में खरीदारों का हुजूम उमड़ पड़ा और महंगाई के बावजूद बंपर कारोबार हुआ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, इस साल धनतेरस पर करीब 60,000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ, जो पिछले साल के 50,000 करोड़ रुपए से 20 फीसदी अधिक है। हालांकि सोना-चांदी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि से

गोल्ड-सिल्वर ज्वैलरी की बिक्री घटने की अनुमान है। पिछले साल धनतेरस पर सोने का भाव 61,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अब 81,000 से अधिक है। चांदी का भाव पिछले साल 71,000 रुपए किलो थो जो इस साल प्रति किलो 1 लाख रुपए के पार निकल चुका है। इससे इस साल धनतेरस पर करीब 20,000 करोड़ रुपए के 25 टन सोने के सिक्के और आभूषण बिके। पिछले साल 27,000 करोड़ रुपए का 40 टन सोना बिका था। इसी तरह 2500 करोड़ रुपए की 250 टन चांदी की खरीदारी जो पिछले साल 400 टन रही थी और 3000 करोड़ के चांदी बिके थे।

वोकल फॉर लोकल का बोलबाला- इस साल भी बाजार में वोकल फॉर लोकल का बोलबाला रहा। चाइनीज सामान नदारद रहे। लोगों ने बर्तन, झाड़ू, मूर्तियां, खिलौने और सजावट के सामान भी खरीदे। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, इस साल त्योहारी सीजन में चीनी सामानों की बिक्री अब न बराबर होने से चीन को 1.25 लाख करोड़ के व्यापार की चपत लगी है।

भारत बना यूरोप का सबसे बड़ा पेट्रोल-डीजल सप्लायर

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत सऊदी अरब को पीछे छोड़कर यूरोप का सबसे बड़ा ईंधन सप्लायर बन गया है। भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है और इसे रिफाइन कर यूरोप के देशों को बेच रहा है। व्यापार खुफिया फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, भारत से यूरोप का रिफाइन किए पेट्रोल-डीजल और एटीएफ का आयात प्रति दिन 3,60,000 बैरल को पार कर गया है। अब तक सऊदी अरब यूरोपीय देशों को सबसे अधिक ईंधन सप्लाई करता था, लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई से बदली हुई वैश्विक परिस्थिति का असर है कि भारत अब यूरोप का सबसे बड़ा ईंधन सप्लायर बन गया है।

अक्टूबर में अब तक 1.05 लाख करोड़ रुपए बाजार से निकले

मुंबई. एजेंसी

ऐसे समय में जब विदेशी निवेशक लगातार भारतीय बाजार से बिकवाली कर रहे हैं और अक्टूबर में अब तक 1.05 लाख करोड़ रुपए भारतीय बाजार से निकाल चुके हैं, भारतीय बाजार को दम देने के लिए घरेलू म्यूचुअल फंड्स 2 लाख करोड़ रुपए लेकर बैठे हैं। अक्टूबर में अब तक घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआइआइ) ने शेयर बाजार में 99,000 करोड़ रुपए से अधिक निवेश किया है, जिसमें म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी 82,000 करोड़ से अधिक है। डीआइआइ ने संवत 2080 में अब तक 4.60 लाख करोड़ से अधिक निवेश किया है। भारतीय बाजारों ने पिछले दो साल के दौरान मजबूत तेजी देखी है।

कार्लसन का दावा, गुकेश शुरुआत से आक्रामक खेलें तो बन जाएंगे विश्व चैंपियन

मुकाबला सिंगापुर में 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक होगा

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत के 18 वर्षीय युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश को अगले महीने चीन के दिग्गज खिलाड़ी डिंग लिरेन के साथ विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला खेलना है। भारतीय खिलाड़ी के पास 18वां विश्व चैंपियन बनने का शानदार मौका है। नॉर्वे के पूर्व विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि यदि गुकेश शुरुआत से ही आक्रामक खेलने में सफल रहे तो उन्हें विश्व चैंपियन बनने से कोई नहीं रोक सकता। हालांकि उन्होंने कहा कि यह भिड़ंत काफी रोमांचक होगी और दोनों खिलाड़ियों को अपना शीर्ष प्रदर्शन करना होगा। पूर्व विश्व चैंपियन कार्लसन ने कहा कि गुकेश की कुछ कमजोरियां हैं, जिससे उन्हें पार पाना होगा। कार्लसन ने कहा, गुकेश कुछ मैचों में कमजोर हैं। हाल ही में उन्हें यूरोपियन क्लब कप में क्लासिकल मैच गंवाना पड़ा। उनके अंदर काबिलियत बहुत है लेकिन आत्मविश्वास की थोड़ी कमी है। उन्हें अपना आत्मविश्वास मजबूत करना होगा, जिससे उन्हें मैच जीतने में मदद मिलेगी। वर्षीय लिरेन पिछले साल रूस के इयान नेपोम्नियाचची को हराकर विश्व चैंपियन बने थे। गुकेश और डिंग लिरेन के बीच विश्व चैंपियनशिप मुकाबला सिंगापुर में 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक खेला जाएगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

रबाडा नंबर-1 गेंदबाज, बुमराह तीसरे स्थान पर फिसले; टॉप-10 से कोहली-पंत बाहर

नईदिल्ली. एजेंसी

आईसीसी की नई टेस्ट रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 860 रेटिंग के साथ जसप्रीत बुमराह को पीछे किया है। बुमराह दो पायदान फिसलकर 846 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। बुमराह के अलावा टॉप-10 में मौजूद भारत के रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को भी 2-2 स्थान का नुकसान हुआ है। अश्विन चौथे और जडेजा आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। नोमान अली को 8 स्थान का फायदा पाकिस्तानी लेफ्ट आर्म स्पिन बॉलर नोमान अली ने ताजा रैंकिंग में आठ स्थानों की छलांग लगाई है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में 9 विकेट लिए थे। जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। अब टॉप-10 में शामिल एकमात्र पाकिस्तानी गेंदबाज है। कागिसो रबाडा ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। उन्हें 3 स्थान का फायदा हुआ है। बैटिंग रैंकिंग में टॉप-10 में यशस्वी जायसवाल टीम इंडिया का अब केवल एक ही खिलाड़ी टॉप 10 में बचा है। विराट कोहली और ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब परफॉरमेंस की वजह से बाहर जाना पड़ा है। ऋषभ पंत 11वें और विराट कोहली 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जो रूट टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बल्लेबाजों के रैंकिंग में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट पहले नंबर पर काबिज हैं।

टेनिस: लेमोंस व विथ्रो की जोड़ी हो गई बाहर

पेरिस. एजेंसी

भारत के स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने अगले माह होने वाले प्रतिष्ठित एटीपी टेनिस फाइनल्स में जगह बना ली है। नथानील लेमोन्स और जैकसन विथ्रो की जोड़ी के पेरिस मास्टर्स से बाहर होने के साथ बोपन्ना और एब्डेन ने टूर्नामेंट में जगह बना ली। एटीपी फाइनल्स का आयोजन 10 से 17 नवंबर तक तुरिन में होगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया कुल आठ शीर्ष जोड़ियां शिरकत करेंगी।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने कहा- भिखारियों के पास चुनने का अवसर नहीं होता

नीना गुप्ता अक्सर अपने काम को लेकर चर्चाओं में रहती हैं, वहीं वह बेबाकी के साथ अपनी बातों को रखने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में उनकी मलयालम ओटीटी सीरीज '1000 बेबीज' रिलीज हुई। इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर को प्रशंसकों और दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। नीना गुप्ता को 'पंचायत' और 'लस्ट स्टोरीज' जैसी सीरीज में भी देखा गया है। अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्होंने अब कुछ ऐसे कामों को मना करना सीख लिया है जो उन्हें योग्य नहीं लगते। एक बातचीत में, नीना ने साझा किया कि उन्हें अपने करियर में बहुत देर से अच्छा काम मिलने पर दुख हुआ। हालांकि, उन्होंने भगवान का शुक्रिया अदा किया और कहा कि भले देर से ही सही पर उन्हें अच्छे काम मिलने शुरू हो गए। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्होंने हमेशा प्रवाह के साथ चलने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें ऐसा महसूस होता है कि उनके पास मना करने का कोई विकल्प नहीं था। अभिनेत्री ने अब परियोजनाओं को ना करने की क्षमता के बारे में भी बताया। अभिनेत्री ने कहा, जैसा कहा जाता है कि भिखारी कभी भी चुनने वाले नहीं हो सकते। पैसे की वजह से, मुझे वह सब कुछ स्वीकार करना पड़ा जो मुझे दिया गया था। नीना गुप्ता ने साझा किया कि हाल ही में, उन्होंने एक महत्वपूर्ण फिल्म अवसर को अस्वीकार कर दिया जो उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप नहीं था और भूमिका को अस्वीकार करके उन्हें कुछ हद तक खुशी मिली। अभिनेत्री ने कुछ अच्छी फिल्में करने के भी इच्छा जताई,

राजपाल बोले- कलाकार घोड़े हैं, निर्देशक घुड़सवार की तरह दिशा देते हैं

अभिनेता राजपाल यादव 1 नवंबर को रिलीज होने जा रही फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने फिल्मों में कालाकारों और निर्देशकों की भूमिकाओं पर बात की। अभिनेता राजपाल यादव अपने कॉमेडी किरदारों के जरिए दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए हैं। उन्होंने हंगामा, मुझसे शादी करोगी, गरम मसाला, चुप चुप के, भूल भुलैया और पार्टनर जैसी चर्चित फिल्मों में दर्शकों को खूब हंसाया है। एक्टर अब कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार पर खुशी जताई। साथ ही फिल्मों में कालाकारों और निर्देशकों की भूमिका पर भी बात की। राजपाल यादव का कहना है कि कलाकार घोड़े की तरह होते हैं। वहीं निर्देशक घुड़सवार की तरह होते हैं, जो एक कलाकार की परफॉर्मेंस को कंट्रोल करते हैं। यह ठीक ऐसे है, जैसे एक घुड़सवार घोड़े को नियंत्रित करता है। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में राजपाल यादव ने कहा कि वे जब भी कोई नया प्रोजेक्ट साइन करते हैं तो फिल्म के निर्माता-निर्देशक के स्टाइल को अपनाते हैं और उस पर पूरा विश्वास करते हैं। भूल भुलैया 3 में राजपाल छोटा पंडित के रोल में नजर आएंगे। अपने किरदार पर उनका कहना है कि वे इस भूमिका से खुश हैं। बता दें कि कार्तिक आर्यन इसमें लीड रोल अदा करेंगे। उनके साथ तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित हैं। राजपाल यादव ने सबसे पहले वर्ष 2007 में आई इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म में भूमिका अदा की थी। फिर 2022 में आए इसके सीक्वल में भी यह भूमिका दोहराई। राजपाल यादव ने हाल ही में प्रियदर्शन और अनीस बज्मी के फिल्म मेकिंग स्टाइल पर बात की। उन्होंने कहा कि हर निर्देशक का अपना विचार होता है। उन्होंने कहा, कलाकार घोड़े की तरह हैं। निर्देशक घुड़सवार की तरह हैं। घुड़सवार का मिशन होता है घोड़े को सही दिशा में लेकर जाना। सभी घोड़े एक जैसे होते हैं, लेकिन घुड़सवार के आसपास होते ही उनकी चाल बदल जाती है।

अर्जुन कपूर के बयान के बाद मलाइका बोली- 'अगर कोई दिल छू ले...'

एक वक्त पर मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का अफेयर बॉलीवुड की सुर्खियों में रहा। उम्र में काफी अंतर होने के बावजूद दोनों प्यार में पड़े। हालांकि, अब इनकी राहें जुदा हो गई हैं। इशारों-इशारों में अर्जुन भी यह स्पष्ट कर चुके हैं। अर्जुन कपूर जल्द ही फिल्म सिंघम अगेन में नजर आने वाले हैं। वे इन दिनों इसके प्रमोशन में जुटे हैं। एक इवेंट के दौरान अर्जुन कपूर ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात की। इस दौरान एक्टर ने कहा, %मैं अब सिंगल हूं%। इसके बाद यह पुष्टि भी हो गई कि मलाइका और अर्जुन का ब्रेकअप हो चुका है। अर्जुन कपूर के इस बयान के दो दिन बाद मलाइका ने एक क्रिप्टिक नोट साझा किया है। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा किया है। जिसमें लिखा है, 'अगर कोई एक सेकंड के लिए भी किसी का दिल छू लेता है, तो वह उम्र भर के लिए किसी की रूह को छू सकता है।' मलाइका ने हालांकि यह बात खुद नहीं कही है, उन्होंने किसी का कोट साझा किया है। लेकिन, मलाइका के इस पोस्ट को अर्जुन के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

अर्जुन ने कर दी ब्रेकअप की पुष्टि

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के ब्रेकअप की खबरें काफी वक्त से मीडिया में चल रही थीं। इस बार मलाइका के जन्मदिन की पार्टी में भी अर्जुन कपूर नजर नहीं आए। हालांकि, आधिकारिक रूप से दोनों सितारों ने इस बारे में कुछ नहीं कहा था। अब हाल ही में अर्जुन कपूर ने 'सिंघम 3' के प्रमोशन के दौरान अपना रिलेशनशिप स्टेटस जब सिंगल बताया तो मलाइका के साथ उनके ब्रेकअप की पुष्टि हो गई।

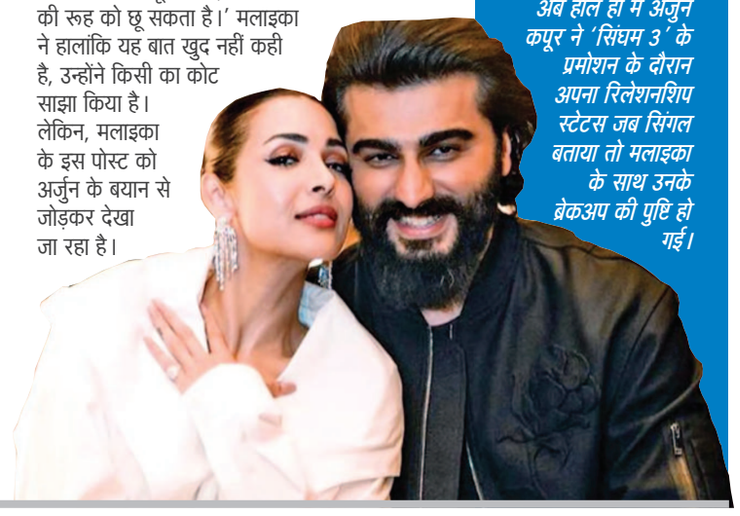

पिछले सप्ताह खूब आए, अब 'लौटने वालों' की हवाई अड्डे पर लगी भीड़

आज से लौटने का दौर, टिकट दाम बढे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। दीवाली पर इस बार विभिन्न शहरों से भोपाल आने वाले हवाई यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ गई। जबकि भोपाल से जाने वाले यात्री कम हो गए। दरअसल अपने घर पर मनाने के लिए बड़ी संख्या में छात्र एवं आईटी प्रोफेशनल्स बेंगलुरू एवं पुणे जैसे शहरों से भोपाल आए हैं। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद एवं हैदराबाद जैसे शहरों में कार्यरत युवा भी दीपावली से पहले ही विमान से भोपाल पहुंचे। हालांकि किराया बहुत ज्यादा हो गया है।

माना जाता है कि दीपावली से एक सप्ताह पहले अपने घर त्यौहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग विमान से सफर करके पहुंचते हैं। इस कारण आगमन करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। दीपावली के बाद भोपाल से जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। राजधानी में इस बार अधिकांश लोगों ने 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई। बुधवार को 16 उड़ानों से 1903 यात्री भोपाल पहुंचे। भोपाल से विभिन्न शहरों की ओर जाने वाली उड़ानों में मात्र 752 यात्री रवाना हुए। बेंगलुरू एवं पुणे उड़ान में सबसे कम यात्री रवाना हुए। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद एवं रायपुर उड़ान की 50 प्रतिशत सीटें भी नहीं भर सकीं। आज से भोपाल से विभिन्न शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। एयरलाइंस कंपनियां भी अब त्यौहार पर यात्रियों की संख्या के हिसाब से किराया तय करने लगी हैं। इस बार दीपावली से एक सप्ताह पहले विभिन्न शहरों से आने का किराया अधिक था। अब जाने का किराया बढ़ गया है। अगले एक सप्ताह तक बेंगलुरू, पुणे, हैदराबाद आदि शहरों का किराया 40 प्रतिशत तक अधिक लिया जा रहा है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार सीटों की उपलब्धता के आधार पर ही किराया तय होता है इसलिए त्यौहार के समय अक्सर किराया बढ़ जाता है।

इस बार शहर में जमकर मनी दीवाली लेकिन बिजली की मांग हुई कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

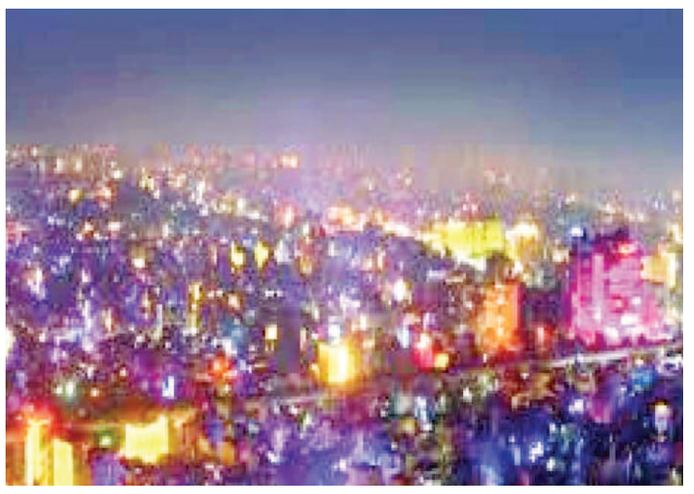

इस बार दीपावली के दिन प्रदेश में बिजली की मांग 13,325 मेगावाट रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 2 हजार मेगावाट कम रही। पिछले वर्ष दीपावली के दिन 6,130 मेगावाट बिजली की मांग थी। धनतेरस और नरक चौदस के दिन भी यही स्थिति थी।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि रोशनी पर्व के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में बिजली की मांग कम रही है। इस बार धनतेरस के दिन बिजली की मांग 13,322 मेगावाट व नरक चौदस के दिन 13,343 मेगावाट थी। वर्ष 2021-22 में दीपावली के दिन बिजली की मांग 11,371 मेगावाट, 2022-23 में 9,846 मेगावाट और 2023-24 में 16,130 मेगावाट थी। इस बार यह घटकर 13,325 मेगावाट रह गई। इसकी आपूर्ति में ताप विद्युत का 2,115 मेगावाट, जल विद्युत का 236 मेगावाट, इंदिरा सागर-ओंकारेश्वर व सरदार सरोवर परियोजना 1,063 मेगावाट, सेंट्रल सेक्टर का अंश 2,348 मेगावाट, सासन परियोजना का 1,123 मेगावाट, आइपीपी का 1,175 मेगावाट और नवीकरणीय ऊर्जा व अन्य का योगदान 5,265 मेगावाट रहा।

शहर के अवधपुरी थाना क्षेत्र का मामला

बेटी को भेल में अकाउंटेंट बनाने का झांसा देकर किसान से 38 लाख रुपए की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित सुरभि एवेन्यू में रहने वाले किसान को शातिर जालसाज किशोर सिंघाने ने 38 लाख रुपए का चूना लगा दिया। जालसाज ने उनकी बेटी को भेल में अकाउंटेंट का पद खाली होने का झांसा देकर बेटी को अकाउंटेंट बनाने का झांसा दिया था।

शातिर जालसाज ने केवल किसान ही नहीं, बल्कि अलग-अलग आधा दर्जन लोगों के साथ ठगी की वारदात की है। किसी को जमीन दिलाने के नाम पर तो किसी को नौकरी लगाने के नाम पर ठगा है। आरोपी मतस्य पालन के नाम पर भी किसान से ठगी की वारदात कर चुका है। ठगी के शिकार हुए पीड़ित पक्ष ने सामूहिक रूप से अवधपुरी थाने में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया। मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की गई। कमिश्नर ने एसीपी गोविंदपुरा को जांच के आदेश दिए। इस बार एसीपी ने जांच के बाद शातिर जालसाज किशोर सिंघानियां के खिलाफ अवधपुरी थाने में धोखाधड़ी की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार सुरभि एवेन्यू निवासी अजय शर्मा पेशे से किसान हैं। उनकी बेटी इंडिगो एयरलाइंस में ग्राउंड स्टाफ में नौकरी करती थी। करीब डेढ़ साल पूर्व अजय शर्मा की मुलाकात डेढ़ साल पूर्व किशोर सिंघाने से हुई। किशोर सिंघाने ने बताया कि उनका भाई भेल में नौकरी करता है और वह आपकी बेटी को भेल में खाली पड़े अकाउंटेंट के पद पर नौकरी दिला देगा। अजय शर्मा उसकी बातों में आ गए। नौकरी के नाम पर उन्होंने सिंघाने को 46 लाख रुपए दिए। समय बीतता गया, लेकिन बेटी को नौकरी नहीं मिली। अजय ने किशोर सिंघाने से अपने रुपए वापस मांगे तो उसने कुछ और समय मांगा। वर्ष 2023 में आरोपी ने भेल का भर्जी ज्वानिंग लेटर थमा दिया। अजय की बेटी लेटर लेकर भेल कार्यालय पहुंची तो पता चला कि वह फर्जी ज्वाइनिंग लेटर है। इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई। अजय शर्मा ने बताया कि उन्होंने किशोर सिंघाने से अपने रुपए वापस मांगे तो उसने केवल 8 लाख रुपए ही वापस किए थे। 38 लाख रुपए वह नहीं दे रहा है।

झुग्गी के पास युवक की लाश मिली

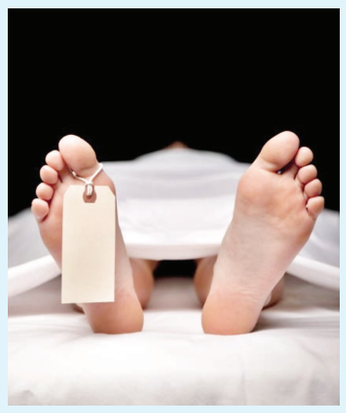

भोपाल। मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित मंडी इलाके में झुग्गी के पास एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। युवक की मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस का कहना है?कि पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि मृतक शराब पीने का आदी था। पुलिस के अनुसार अकबर पिवता नसीम (35) ऐशबाग इलाके में रहता था। मंगलवारा थाना क्षेत्र स्थित मंडी के पास उसकी मां झुग्गी में रहती है। शुक्रवार को वह मां से मिलने उनकी झुग्गी पर पहुंचा था। कुछ देर बाद उसकी लाश झुग्गी से कुछ दूरी पर सड़क पर पड़ी मिली। पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं है।

बीए प्रथम वर्ष में सिर्फ 51 प्रतिशत विद्यार्थी पास, पुनर्मूल्यांकन की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने बीए प्रथम वर्ष की कक्षाओं के परिणाम चार माह बाद 30 अक्टूबर को जारी कर दिए। बीयू पिछले चार साल से नई शिक्षा नीति के तहत परीक्षा आयोजित करा रहा है। बीए का परिणाम 51 प्रतिशत रहा। वहीं बीएससी का परिणाम 65 प्रतिशत व बीकाम का परिणाम 68 प्रतिशत रहा।बीए का परिणाम सबसे कम रहा।इसमें विद्यार्थियों को पूरक अधिक आई है। इसके तहत करीब 49 प्रतिशत विद्यार्थी फाउंडेशन कोर्स में फेल हुए हैं। इस कारण उन्हें पूरक मिली है और रिजल्ट खराब हुआ है। इस परीक्षा में करीब 40 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें से 22 हजार विद्यार्थी पास और 18 हजार की पूरक आई है। विद्यार्थियों ने उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

नाबालिग लड़की ने नानी के घर लगाई फांसी

भोपाल। नाबालिग ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतिका अपनी नानी के पास रहकर स्कूली पढ़ाई कर रही थी। मौके से कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिलने से खुदकुशी के असल कारणों का पता नहीं चल पाया है। काजल मालवीय 17 साल मूलत- राजगढ़ जिले की रहने वाली थी। वह अवधपुरी स्थित आधार शिला ईडब्ल्यूएस में नानी के घर पर रहकर 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पड़ोसी ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देख छात्रा के मामा अभिषेक मालवीय को सूचना दी।

दीपक से लगी साड़ी में आग, 91 साल की बुजुर्ग महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित श्रीकृष्णपुरम कॉलोनी में किचन में लगे दीपक से 91 साल की बुजुर्ग महिला की साड़ी में आग लग गई। उनकी चीख पुकार सुनकर परिजन किचन में पहुंचे और किसी तरह आग बुझाकर उन्हें एम्स लेकर पहुंचे। एम्स में इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर उनकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया था। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा।

पुलिस के अनुसार फूलवासो देवी मिश्रा पति चंद्रमोहन (91) श्रीकृष्णपुरम कॉलोनी, मिसरोद में रहती थी। उनके परिवार में बेटा नाती समेत सभी लोग रहते हैं। बेटा राजीव मिश्रा प्राइवेट काम करता है। राजीव ने पुलिस को बताया कि दीवाली के दिन सभी लोग त्यौहार मना रहे थे।

रात 10 बजे का मामला

रात करीब दस बजे के आसपास पूजा करने के बाद सभी लोग पटाखे जलाने के लिए बाहर खड़ी थे, जबकि अंदर मां फूलवासो देवी थी। किचन में वह जा रही थी, तभी किचन के गेट के पास रखे दीपक से उनकी साड़ी में आग लग गई।

उनकी चीख पुकार सुनकर परिजन अंदर पहुंचे और आग बुझाई गई, लेकिन तब तक वह झुलस चुकी थी। उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर उनकी मौत हो गई।

बैरागढ़ थाना क्षेत्र की घटना

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित संत जी की कुटिया के पास रेलवे ट्रैक से पुलिस ने एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की लाश बरामद की है। पुलिस का अनुमान है कि अधेड़ ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है। पुलिस ने लाश पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है।

पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस को अधेड़ के पास से सुसाइड नो नहीं मिला है। पुलिस परिजन के बयान दर्ज करेगी। इसके बाद ही आत्महत्या के कारण का पता चल सकेगा। पुलिस के अनुसार संत जी की कुटिया के पास रेलवे ट्रैक से पुलिस ने गुरुवार सुबह एक अधेड़ उम्र की व्यक्ति की लाश बरामद की। मृतक की शिनाख्त एफ वार्ड गांधी नगर निवासी बादल नायक (52) साल के रूप में की गई। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है।

संत जी की कुटिया के पास रेलवे ट्रैक पर मिली लाश

गाय के मुंह में फटा बम, निचला जबड़ा क्षतिग्रस्त, हालत गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के बागसेवनिया इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक गाय के मुंह में बम फट गया, जिससे उसका जबड़ा बुरी तरह घायल हो गया। गुरुवार को हुई घटना के बाद जिसने भी गाय की हालत देखी, उसका दिल दहल गया। घायल गाय का पशु चिकित्सालय में उपचार कराया जा रहा है। शिकायत मिलने के बाद बागसेवनिया थाना पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक बागमुगालिया निवासी राजू पटेल पशु पालक हैं। गुरुवार सुबह उनकी गाय घर के पास चर रही थी, तभी उन्हें घर के बाहर बम के धमाके की आवाज सुनाई दी। वह दौड़कर बाहर पहुंचे तो देखा कि गाय के मुंह से खून बह रहा है और उसका जबड़ा बुरी तरह से टूट गया है। वह तुरंत उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टर ने बताया कि गाय के जबड़े में चोट बम के फटने से आई है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने दिवाली पर बम को जलाकर घास पर फेंका होगा, जो उस वक्त नहीं फटा।

मिर्गी के दौरे से परेशान नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दे दी अपनी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित प्रेम नगर में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पति के बयान में यह बात सामने आई कि उसे मिर्गी का दौरा आता था। उसका इलाज भी चल रहा था। अनुमान है कि मिर्गी के दौरे से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है।

पुलिस के अनुसार 19 साल की अंजली गृहणी थी। वर्ष 2023 में उसकी शादी सौरभ हुई थी। अंजली को मिर्गी का दौरा आता था। बुधवार रात पति पत्नी ने खाना खाया और सो गए। तड़के करीब 3 बजे के आसपास अंजली को मिर्गी का दौरा आया। सौरभ की नींद खुली और उसने किसी तरह अंजली को होश में लाया। अंजली की तबीयत संभल गई थी और वह दोबारा सो गए। अंजली के सोने के बाद सौरभ भी सो गया था। सौरभ के सोने के बाद अंजली ने फांसी लगा ली। सुबह सौरभ की नींद खुली तो अंजली फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सौरभ उसे लेकर अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद अंजली को मृत घोषित कर दिया। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है।

एसिड पीने से निगमकर्मी की पत्नी की मौत

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित द्वारिका नगर में एक महिला ने एसिड पीने से मौत हो गई। नगर निगम में नौकरी करने वाले पति का कहना है कि उसकी पत्नी को शराब पीने की आदत थी। उसने शराब की बोतल छिपा दी थी। धोखे में पत्नी ने बोतल में रखा एसिड पी लिया। महिला के मृत्युपूर्व कथन नहीं हो सके थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार द्वारिका नगर बजरिया निवासी रंजीत परोचे नगर निगम में दैनिक वेतनभोगी सफाईकर्मी है। रंजीत और उनकी पत्नी आरती परोचे (28) दोनों ही शराब पीने के आदी थे। उनके तीन बच्चे हैं। विगत 28 अक्टूबर को घर में रखा टॉयलेट साफ करने का एसिड पी लिया। हालत बिगड़ने पर पति ने हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। बुधवार सुबह आरती की इलाज के दौरान मौत हो गई। पूछताछ में पति रंजीत ने बताया कि पत्नी की शराब पीने की लत छुड़ाने के लिए उसने शराब की बोतल छिपा दी थी। पत्नी ने शराब के धोखे में पानी की बोतल में रखा एसिड पी लिया था। दूसरी ओर एसआई रामभरोसे ने बताया कि महिला ने आत्महत्या की है अथवा धोखे से एसिड पिया है, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। आरती परोचे का मायके नसरूल्लागंज जिला सीहोर के पास एक गांव में है। मायके पक्ष के बयान भी दर्ज किए जाएंगे।

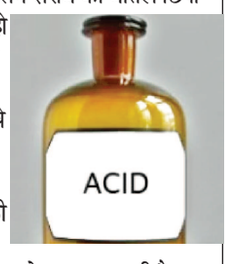

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022